हिन्दी दैनिक

गौरव पूर्ण भारत

R.N.I.NO.-DELHIN/2009/30015

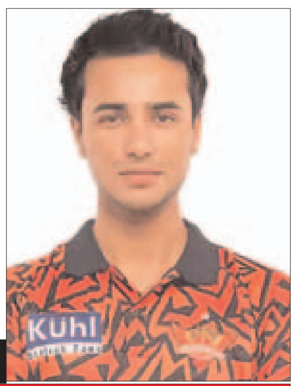

5 दृश्यम 3 ने ओपनिंग डे पर बनाए रिकॉर्ड.....

gauravpuranbharat@gmail.com

6 अभिषेक शर्मा ने फाइनल में तूफानी फिफ्टी जड़कर बनाए 6 ....

वर्ष-18 अंक-01 नई दिल्ली, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 पृष्ठ- 6 मूल्य 1 रुपये

एसआईआर प्रोटेस्ट भारत विरोधी साजिश का हिस्सा

दिल्ली-मुंबई में विरोध प्रदर्शन के बीच किरेन रिजिजू का बड़ा दावा

नई दिल्ली। एसआईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर विपक्ष व अन्य संगठनों का विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि एसआईआर प्रोटेस्ट भारत विरोधी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा, यह भारत को कमजोर करने की बड़ी साजिश है। सीएनएन न्यूज-18 को दिए गए इंटरव्यू में किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि चुनावी हार से बौखलाई विपक्षी पार्टियों ने लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ टारगेटेड हमले शुरू किए हैं। रिजिजू ने दावा किया विपक्ष ने कई खास तरह के ग्रुप बनाए हुए हैं, जिनके जरिए लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले किए जा रहे हैं। केंद्रीय ने दावा किया कि एक ग्रुप लगातार न्यायपालिका और अलग-अलग जजों पर हमला कर रहा है, दूसरा ग्रुप भारत के चुनाव आयोग, ईडी और सीबीआई जैसी संवैधानिक संस्थाओं को टारगेट कर रहा है। जबकि तीसरा ग्रुप देश की तरक्की को रोकने के लिए विदेशों में झूठी खबरें फैला रहा है। इंटरव्यू में किरेन रिजिजू ने कहा, इन ग्रुपों में जाने-माने चेहरे, वकील और वामपंथी विचारधारा वाले एक्टिविस्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट से देश के हित में कोई अच्छा फैसला आता है, तो वे उसे लोकतांत्रिक सिद्धांतों और

न्यायपालिका की आजादी को कमजोर करने वाला बताते हैं। उन्होंने आगे कहा, उन्हें लगता है कि यह सरकार के पक्ष में है और यह देश के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने यह नैरेटिव बनाना शुरू कर दिया है। इसलिए वे लगातार जजों और न्यायपालिका पर हमला करते हैं। अब, इन दिनों आपने देखा होगा कि इस गिरोह ने व्यक्तिगत जजों पर भी हमला करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष से जुड़े कुछ लोग विदेश जाकर भारत विरोधी तत्वों के साथ मिलकर देश में असंतोष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। रिजिजू ने कहा, उनका एक और ग्रुप है, जो फर्जी खबरें फैलाता है और युवाओं के मन में डर और असंतोष पैदा करता है।

यही लोग विदेश जाएंगे, भारत विरोधी तत्वों से मिलेंगे, उनका समर्थन हासिल करेंगे और फिर त्नष्ठक्क के आंकड़ों पर सवाल उठाएंगे, लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर सवाल उठाएंगे, भारत की लोकतांत्रिक सफलता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाएंगे। इन तीन मोर्चों पर वे भारत पर हमला कर रहे हैं। यह एक बड़ी साजिश है, जिसका मकसद भारत को एक राष्ट्र के रूप में कमजोर करना है। रिजिजू ने आगे कहा, एसआईआर से संबंधित विरोध प्रदर्शन इन साजिश का हिस्सा है। किरेन रिजिजू ने कहा कि अगर आप असली वोटर हैं और आपका नाम हटा दिया गया है, तो आप अधिकारियों से जरिए सुधार के उपाय कराएंगे। लेकिन बिना किसी दस्तावेज के अचानक कोई मुद्दा खड़ा करना और भारत के चुनाव आयोग पर सवाल उठाना, पूरी तरह से विदेश में मौजूद भारत-विरोधी ताकतों के समर्थन से रची गई एक साजिश का हिस्सा है।

सीएम रेखा गुप्ता के खिलाफः एफआईआर दर्ज करने की मांग, कोर्ट में याचिका दाखिल, दिल्ली पुलिस से मांगी गई रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। मामला सरकारी अधिकारियों की तुलना भगवान हनुमान से करने वाली उनकी टिप्पणी से जुड़ा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) अश्वनी पंवार ने दिल्ली पुलिस को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। यह याचिका राम निवास शर्मा ने दायर की है। उनका आरोप है कि 23 सितंबर 2025 को दिल्ली से उत्तर प्रदेश के बड़ौत के लिए DTC बस सेवा शुरू करने के दौरान आयोजित सरकारी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों की तुलना हनुमान से की थी। शर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ये जो हमारे दिल्ली सरकार के अधिकारी हैं ये सारे हनुमान हैं। इन हनुमानों की पूछ में जब आग लगती है तो इनको सारी पॉवर अपनी याद आती। उससे पहले भूल जाते हैं। हनुमान जी मुझे इसलिए याद आए, क्योंकि हम मरघट वाले बाबा के द्वार पर बैठे हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह टिप्पणी सार्वजनिक मंच से और सरकारी कार्यक्रम के दौरान की गई थी, जिसे अधिकारियों और आम लोगों ने सुना। उनका आरोप है कि इस टिप्पणी से भगवान हनुमान और धार्मिक भावनाओं का अपमान हुआ। इसी आधार पर उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ FIR दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अदालत ने फिलहाल दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर तीन महिला पत्रकारों के साथ कथित रूप से यौन उत्पीड़न के मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। यह जानकारी पुलिस की ओर से रविवार को दी गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस के एक IPS रैंक के अधिकारी पर आरोप लगा है। प्रदर्शनकारी उस ऑफिसर पर FIR की मांग कर रहे हैं।

'मुझे ऐसे उठाकर फेंक रहे हैं जैसे मैं कोई फुटबॉल हूं', दिल्ली पुलिस की हिरासत में मीडिया से बोले सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गेट से लेकर संसद तक वामपंथी छात्र संगठन और राजनीतिक पार्टियां मार्च निकाल रही हैं। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) की अगुवाई में एक 'सिटिजन्स मार्च' दोपहर 3 बजे शुरू किया, और इसके बाद शाम 5 बजे उसी रास्ते पर इंडियन यूथ कांग्रेस का मार्च शुरू किया। इधर आम आदमी पार्टी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गेट तक विरोध मार्च निकाला। इसके बाद तैनात दिल्ली पुलिस ने विरोध मार्च निकालने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करने वाले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पुलिस ने आप दिल्ली के प्रमुख सौरभ

भारद्वाज को भी हिरासत में ले लिया है। साथ ही AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को भी हिरासत में ले लिया है। हिरासत में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उनके साथ दिल्ली पुलिस ऐसे बर्ताव कर रही जैसे वह इंसान नहीं हैं कोई फुटबॉल हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, वे (दिल्ली पुलिस) मुझे ऐसे उठाकर फेंक रहे हैं जैसे मैं कोई फुटबॉल होऊं। उन्होंने आगे कहा, पैर ऊपर, सर नीचे करके मुझे पुलिस ले जा रही है। मीडिया से कहा कि आप लोगों ने देखा कि ये लोग कितनी बदतमीजी कर रहे हैं। यहां इतनी अधिक पुलिस फोर्स है, लेकिन फिर भी वे अपने ही ACP के खिलाफ FIR तक दर्ज नहीं कर रहे हैं, न ही ACP को गिरफ्तार कर रहे हैं सौरभ भारद्वाज ने कहा, जो लोग लड़की के हक के लिए खड़े हैं यहां पर, शांतिपूर्ण खड़े हुए हैं। उनके साथ ये लोग इस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं। ये लोग आम आदमी को क्या समझते हैं। जब ये नेताओं के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, पत्रकारों के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं तो आप सोचिए जनता के साथ ये लोग क्या व्यवहार करेंगे सरकार को जाना होगा। आगे उन्होंने लोगों के अपील की, मैं तमाम लोगों से अपील करता हूं कि यहां आइए और अपनी आवाज को दर्ज करवाइए। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञान कुमार के खिलाफ, वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया गेट से जंतर-मंतर तक विरोध मार्च के मद्देनजर दिल्ली पुलिस की रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) और अन्य पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों समेत करीब 5,000 कर्मियों को तैनात हैं। रविवार को दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होने वाले प्रदर्शनों को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। दिल्ली पुलिस ने रैपिड एक्शन फोर्स, पैरामिलिट्री फोर्स के साथ ही 5000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। इसके अलावा ड्रोन की भी तैनाती की गई और बैरिकेडिंग भी की गई है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव 2026 के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। ये उम्मीदवार स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को मंजूरी दी है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली की ओर से 4 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। भाजपा ने इन तीन सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं- पुणे संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, नागपुर संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और पुणे संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन सीटों पर होने वाले चुनाव में स्नातक और शिक्षक मतदाता अपने प्रतिनिधि का चुनाव करते हैं।

इन तीनों नामों को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंजूरी दी और पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से इनकी घोषणा की गई। प्रेस विज्ञप्ति 4 अक्टूबर को जारी की गई थी और इस पर राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय के प्रभारी तरुण चुघ के हस्ताक्षर हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र में होने वाले स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के विधान परिषद् चुनाव 2026 हेतु निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र में होने वाले स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के विधान परिषद् चुनाव 2026 हेतु निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। नामांकन दाखिल करने की तारीख 6 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्टूबर को होगी। 9 अक्टूबर तक नाम वापस लेने की अनुमति है। इसके बाद 23 अक्टूबर को मतदान से पहले अंतिम उम्मीदवारों की सूची तैयार हो जाएगी। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में कुल पांच स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों पर मतदान होगा। भाजपा की नवीनतम घोषणा में इनमें से तीन सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम विशेष रूप से बताए गए हैं। पुणे डिवीजन के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से स्मिता जाधव, नागपुर डिवीजन के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सुधाकर कोहले और पुणे डिवीजन के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कौस्तुभ गावड़े चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग ने स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव निर्धारित किए हैं। मतदान 23 अक्टूबर को होगा और मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। चुनाव प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। जिन पांच निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होने हैं, वे हैं औरंगाबाद डिवीजन स्नातक, पुणे डिवीजन स्नातक, नागपुर डिवीजन स्नातक, अमरावती डिवीजन शिक्षक और पुणे डिवीजन शिक्षक। ये सीटें 6 दिसंबर, 2026 को वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने के कारण रिक्त हो रही हैं। घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, औपचारिक अधिसूचना 29 सितंबर को जारी की गई थी।

हरियाणा कांग्रेस में फिर मुख्यमंत्री फेस की चर्चा, कुलदीप शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिख सामूहिक नेतृत्व पर चुनाव लड़ने का दिया सुझाव

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुलदीप शर्मा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखकर हरियाणा में पार्टी के भविष्य की रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के उस विचार की सराहना की है, जिसमें राहुल गांधी के नेतृत्व में सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ने की बात कही गई है। कुलदीप शर्मा ने कहा कि यह विचार कांग्रेस को उसकी मूल राजनीतिक विचारधारा और परंपरा की ओर वापस ले जाता है। उनके अनुसार चुनाव किसी एक मुख्यमंत्री चेहरे के बजाय पार्टी की विचारधारा, नीतियों और सामूहिक नेतृत्व के आधार पर लड़े जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति या परिवार को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में आगे करने से पार्टी की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। हरियाणा का उदाहरण देते हुए पूर्व स्पीकर ने पत्र में कहा कि प्रदेश में कांग्रेस को लगातार चुनावी नुकसान का सामना करना पड़ा है और इसके पीछे एक व्यक्ति तथा बाद में उसके बेटे को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश करने की रणनीति भी एक कारण

रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव से काफी पहले खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताने की कोशिश संबंधित व्यक्ति के लिए भले ही राजनीतिक रूप से लाभदायक हो सकती है, लेकिन इसका पार्टी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इससे हरियाणा में कांग्रेस को उसके मूल विचारों और व्यापक सामाजिक आधार के अनुरूप पुनर्गठित करने की संभावनाएं कमजोर होती हैं। कुलदीप शर्मा ने पत्र में कहा कि इस तरह की व्यक्तिगत ब्रांडिंग से पार्टी के व्यापक राजनीतिक संदेश के बजाय संबंधित नेता की व्यक्तिगत छवि अधिक प्रमुखता से सामने आती है। उनका मानना है कि कांग्रेस का सामाजिक और आर्थिक संदेश व्यापक वर्गों तक पहुंचने वाला होना चाहिए, जबकि किसी एक चेहरे को आगे करने से पार्टी का दायरा सीमित हो जाता है। उन्होंने विशेष रूप से दीपेंद्र सिंह हुड्डा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा वर्ष 2029 के लिए खुद को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किए जाने की कोशिश कांग्रेस के जनाधार और पहुंच को सीमित कर रही है। इससे विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक वर्गों को कांग्रेस के साथ जोड़कर व्यापक गठबंधन तैयार करने की संभावनाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। पूर्व स्पीकर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से आग्रह किया कि पार्टी के हित में इस प्रकार की व्यक्तिगत मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। इसके बजाय हरियाणा में सामूहिक नेतृत्व की अवधारणा को व्यवहार में लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इसका निर्णय अभी से किसी व्यक्ति विशेष के पक्ष में करने के बजाय कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ दिया जाना चाहिए। उनका जोर इस बात पर रहा कि फिलहाल पार्टी को संगठन को मजबूत करने, व्यापक जनाधार तैयार करने और सामूहिक नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने पर ध्यान देना चाहिए।

हरियाणा के राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी राहत, प्रदेश के करीब 39.89 लाख बीपीएल और एएवाई परिवारों को मिलेगा इस योजना का लाभ

चंडीगढ़। हरियाणा के लाखों राशन कार्ड धारकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। राज्य सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाले सरसों के तेल के वितरण को दोबारा सुचारू करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही तेल की पैकिंग और वितरण का नया शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। इस फैसले से प्रदेश के लगभग 39.89 लाख बीपीएल और अंत्योदय परिवार लाभान्वित होंगे। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा तय की गई नई व्यवस्था के अनुसार, अब पुराने 2 लीटर या अन्य बड़े पैकों के बजाय लाभार्थियों को 500 मिलीलीटर (500 ML) और 1 लीटर की बोतलों/पैकों में सरसों का तेल उपलब्ध कराया जाएगा। इससे लाभार्थियों को जरूरत के अनुसार आसानी से तेल मिल सकेगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बोतलों पर स्पष्ट रूप से Not for Sale – For PDS Only' अंकित होगा और किसी भी सूरत में खुली या बिना सील वाली बोतल वितरित नहीं की जाएगी। पिछले कुछ महीनों से

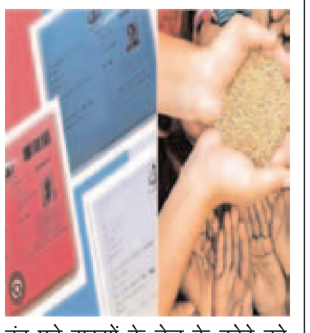

बंद पड़े सरसों के तेल के कोटे को अब एक साथ तीन महीनों (अगस्त, सितंबर और अक्टूबर) के लिए कलेक्टिव रूप से वितरित किया जाएगा। विभाग के तय कार्यक्रम के मुताबिक 10 से 15 अक्टूबर समयावधि के दौरान सभी जिलों में करीब 104 लाख लीटर सरसों का तेल कॉन्फेड के फोकल प्वाइंट्स पर पहुंचा दिया जाएगा। 15 से 20 अक्टूबर परिवहन ठेकेदारों के माध्यम से तेल की यह खेप स्थानीय राशन डिपुओं तक पहुंचाई जाएगी। सभी डिपो धारकों के जरिए 21 अक्टूबर से लाभार्थियों को तीनों महीनों का लंबित सरसों का तेल बांटना शुरू कर दिया जाएगा।

अकाल तख्त पहुंचे बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी सज्जन कुमार के घर जाने पर मांगी माफी

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी शनिवार को अमृतसर में अकाल तख्त के सामने पेश हुए। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार की शोक सभा में शामिल होने के लिए माफी मांगी। बीजेपी के साउथ दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने इससे पहले 5 सितंबर को अकाल तख्त सेक्रेटेरिएट को लिखकर माफी मांगी थी। शनिवार को वह खुद अकाल तख्त पर गए, मत्था टेका और अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज से मिले, माफी मांगी और अपनी बात बताई। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि यह अच्छा है कि रामवीर बिधूड़ी को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने माफी मांगी। रामवीर बिधूड़ी सज्जन कुमार की मौत के बाद शोक जताने के लिए उनके घर गए थे। अपनी माफी में बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि उन्होंने सिख विरोधी दंगों में शामिल होने के कारण सज्जन कुमार के खिलाफ लगातार बात की थी।

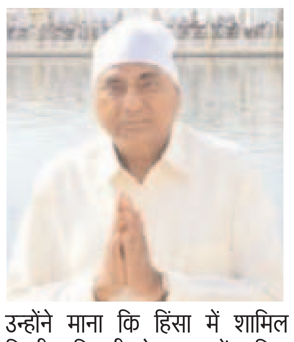

उन्होंने माना कि हिंसा में शामिल किसी व्यक्ति की शोक सभा में शामिल होना एक गलती थी।

इस घटना की जांच इसलिए हुई क्योंकि सज्जन कुमार 1984 की हिंसा के इतिहास में एक बहुत ही विवादित व्यक्ति रहे। उन्हें दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया था और उनकी मौत ने उनकी विरासत से जुड़े राजनीतिक जुड़ावों पर फिर से ध्यान खींचा। अकाल तख्त के दखल ने अब इस विवाद में एक धार्मिक और संस्थागत पहलू जोड़ दिया है। जत्थेदार ने कहा कि कई दूसरे राजनीतिक नेता, खासकर कांग्रेस से जुड़े नेता भी सज्जन कुमार के घर गए थे। उन्होंने उनसे रामवीर बिधूड़ी की माफी से गाइडेंस लेने और सिख समुदाय से माफी मांगने का आग्रह किया। रामवीर बिधूड़ी की माफी 1984 के सिख विरोधी दंगों की हमेशा रहने वाली राजनीतिक और भावनात्मक विरासत के खिलाफ है। यह घटना भारतीय राजनीति में बार-बार सामने आई है, जिसमें जवाबदेही, न्याय और राजनीतिक जिम्मेदारी के सवाल दशकों बाद भी सार्वजनिक बहस को आकार देते रहे हैं। सज्जन कुमार की शोक सभा को लेकर विवाद पार्टी लाइन को भी पार कर गया है। इससे पहले BJP नेताओं ने कुछ नेताओं के सज्जन कुमार के घर जाने के फैसले की आलोचना की थी, जबकि पार्टी के दिल्ली के सांसद जो इस सभा में शामिल हुए थे, वे जांच के दायरे में आए थे। बीजेपी प्रेसिडेंट नितिन नवीन ने विवाद के बाद तीनों MP को बुलाया था। 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार को दिल्ली की एक अदालत ने 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या के मामले में फरवरी 2025 में दोषी ठहराया था।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तेज चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन करेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान किया है। गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों ने घोषणा की है कि 7 अक्टूबर को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करेगा और एसआईआर के मुद्दे को भी उठाएगा। कांग्रेस की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह फैसला कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) समेत अन्य दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में लिया गया। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के महासचिव अनिल भारद्वाज ने कहा कि इन दलों ने एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ संयुक्त रूप से प्रदर्शन करने और इसे तत्काल वापस लेने की मांग करने का फैसला किया है। अनिल भारद्वाज ने एक बयान में कहा, मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव है। यदि ऐसी कोई प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे संभावित रूप से मतदाताओं के नाम हट सकते हैं या उनके अधिकार प्रभावित हो सकते हैं, तो 'इंडिया' गठबंधन इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा। विपक्षी दलों ने यह भी मांग की कि मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। भारद्वाज ने कहा कि सात अक्टूबर का प्रदर्शन दिल्ली के मतदाताओं के अधिकारों, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए संयुक्त प्रयास होगा। इंडिया गठबंधन लगातार सीईसी ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और चुनाव आयोग के फैसलों पर सवाल उठा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ वोटर लिस्ट में एसआईआर में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल रखा है। ऐसे वक्त में केरल की वीडी सतीशन सरकार के गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने उनके खिलाफ 20 साल पुराना, 2006 का केस खोल दिया है।

गुरुग्राम को मिलेगी ग्लोबल पहचान, 25 एकड़ में विकसित होगा विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान गुरुग्राम में 25 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किए जाने वाले प्रस्तावित विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर से संबंधित व्यवस्थाओं और सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सिंगापुर स्थित प्रसिद्ध सनटेक सिटी में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने वहां संचालित कन्वेंशन सेंटर की सुविधाओं, निर्माण की तकनीक, आधुनिक इंजीनियरिंग तथा संचालन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सिंगापुर दौरे के दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक यश गर्ग, सूचना,

जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया तथा एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक विनय प्रताप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सिंगापुर की सनटेक सिटी की तर्ज पर गुरुग्राम में लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर विकसित किया जाएगा। सिंगापुर की सनटेक सिटी में विकसित कन्वेंशन सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण इस परियोजना के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं को समझने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। गुरुग्राम में प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर को अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक इंजीनियरिंग से लैस किया जाएगा, ताकि यहां बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, व्यापारिक बैठकें, प्रदर्शनियां और वैश्विक स्तर के अन्य आयोजन आयोजित किए जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से गुरुग्राम की अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूत होगी तथा राज्य में निवेश और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार मानेसर में अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के साथ-साथ एक बड़े और सुंदर पार्क का भी निर्माण करेगी। इससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाओं के साथ हरित एवं खुला वातावरण उपलब्ध होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंगापुर के गार्डन्स बाय द बे में पर्यावरण संरक्षण, विभिन्न पौधों की प्रजातियों के संरक्षण तथा जल प्रबंधन की उन्नत तकनीकों से संबंधित व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने गार्डन में मौजूद पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं, विशेषकर जल आपूर्ति और संरक्षण संबंधी उपायों को करीब से देखा और उनकी जानकारी ली। गार्डन्स बाय द बे में मौजूद भारतीय व विदेशी पर्यटकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनके साथ फोटो खिंचवाई। कई परिवारों ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने विदेशी पर्यटकों से भी सहज और आत्मीय भाव से मुलाकात की तथा उनसे बातचीत की।

'मुझे छह महीने दीजिए, लव-लैंड जिहाद के खिलाफ कानून लाएंगे', यूसीसी पर क्या बोले सीएम शुभेंदु अधिकारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार छह महीने के अंदर लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ कड़े कानून लाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तराखंड और गुजरात की तरह राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करेगी। विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार संविधान के दायरे में काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, सनातनी परंपराओं, मंदिरों, मठों और विरासत पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, यह सरकार यहां किसी भी देश विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी और लोगों से एकजुट रहने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की अपील करती है। यूसीसी पर शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल उत्तराखंड और गुजरात के उदाहरण पर चलेगा। उन्होंने कहा, हमें छह महीने दीजिए, हम भी लव और लैंड जिहाद के खिलाफ कड़े कानून लाएंगे। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल के लिए यूसीसी के ड्राफ्ट की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है। प्रस्तावित यूसीसी का मकसद शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मुद्दों पर सभी समुदायों के लिए सिविल कानूनों को स्टैंडर्ड बनाना है। BJP ने 2026 के विधानसभा चुनावों में यूसीसी को लागू करने को अपने खास चुनावी वादों में से एक बनाया था। शुभेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि एक प्रस्तावित धार्मिक टूरिज्म सर्किट दो साल के अंदर पूरा हो जाएगा, जिसके लिए 1,000 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने जनता से सुझाव और सहयोग मांगा। पिछली TMC सरकार पर निशाना साधते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उसके गिरने के कई कारण थे, लेकिन हिंदू भावनाओं, संगठनों, देवी-देवताओं और परंपराओं को बार-बार ठेस पहुंचाना सबसे बड़ा कारण था।

संपादकीय
(उमेश कुमार तिवारी)

अच्छी भाषा-बोली के पैरोकार गांधी

तू कालोदधि का महास्तंभ, आत्मा के नभ का तुंग केतु बापू! तू मर्त्य, अमर्त्य, स्वर्ग, पृथ्वी, भू, नभ का महासेतु तेरा विराट यह रूप कल्पना पट पर नहीं समाता है जितना कुछ कहूं मगर, कहने को शेष बहुत रह जाता है। यह एक तरफ गांधी के प्रति अहोभाव है, तो दूसरी ओर हम सबके लिए यह एहसास भी कि हमें कितनी दूरी पाटनी है, कितने शिखर छूने हैं, प्रज्ञा और ज्ञान की कितनी खिड़कियां खोलनी हैं कि इस आदमी को उसकी संपूर्णता में देख-समझ सकें। सन् 1915 की बात है। मोहनदास करमचंद गांधी दक्षिण अफ्रीका से अभी भारत लौटे ही थे। 'महात्मा' तो मशहूर नहीं हुए थे, लेकिन 'सत्याग्रह' नाम का एक हथियार जरूर उनके साथ था, जिसका कारनामा दक्षिण अफ्रीका ने देखा था और भाल्ररत ने सुना था। गांधी तब अहमदाबाद के कोचरब में अपना ठिकाना भी बना रहे थे। उसी समय एक लड़का आया। नाम था, महादेव देसाई। तब तक दोनों एक-दूसरे को नहीं जानते थे। गांधी की जितनी कीर्ति तब तक फैली थी, उसने युवा महादेव देसाई को प्रेरित किया था कि वह इस अनोखे आदमी से मिलें और ब्रिटिश लेखक-राजनेता जॉन मार्ले की जिस पुस्तक ऑन कॉम्प्रोमाइज पर वह उन दिनों मुग्ध थे, उसकी बात करें। गांधी ने जॉन मार्ले के वतन से पढ़ाई की थी, दक्षिण अफ्रीका के संघर्ष का सवाल लेकर वह इंग्लैंड आते-जाते भी रहे थे। उन्हें वहां के खास लोग जानते थे। यह सब जानकर महादेव देसाई को लगा था कि यह आदमी उस किताब के बारे में भी उन्हें कुछ नया बता सकेगा। इसकी मदद से वह जॉन मार्ले तक पहुंच सकेंगे और गांधी कहेंगे, तो शायद मिस्टर मार्ले किताब का गुजराती अनुवाद करने की अनुमति भी दे दें। गांधी मानते थे कि वह एक अच्छी रचना है। वह अपनी अनुशंसा के साथ जॉन मार्ले को लिख भी देंगे, पर अभी एक कांटा बाकी था। अनुवाद की अनुमति व उसे प्रकाशित करने के संदर्भ में जो पत्र महादेव देसाई ने मार्ले के लिए तैयार किया था, वह उन्होंने गांधी को दिखाया। गांधी जैसे-जैसे उस पत्र को पढ़ते गए, उनकी त्योरियां चढ़ती गईं। वह कुछ खिन्न स्वर में बोले, यह क्या लिखा है तुमने... इतनी अलंकारिक भाषा में ऐसी निरीह याचना करने की जरूरत क्या है मार्ले ने एक किताब लिखी है, तुम्हें वह पुस्तक पसंद आई, तुमने गुजराती जैसी श्रेष्ठ भाषा में उसका अनुवाद किया है, इसमें मार्ले साहब को न सिर्फ आनंदित होना चाहिए, बल्कि तुम्हारा एहसान भी मानना चाहिए। तो ऐसी चापलूस-सी अभिव्यक्ति क्यों? हम गुलामी की मानसिकता में इतने गहरे तक डूबे हुए हैं कि अहंकार और आत्म-सम्मान का भेद भूल गए हैं। महादेव सन्न खड़े सुनते रह गए! अहंकार और आत्म-सम्मान के बीच गहरा भेद है। सामने कोई भी हो, सबके साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार करना चाहिए, लेकिन जहां विनय दीनता-हीनता की चुगली खाने लगे, वहां तनकर खड़े हो जाना चाहिए। दूसरे गोलमेज सम्मेलन में महाराजा के महल में आयोजित पार्टी! इंग्लैंड के सूट-बूटधारी अहंकारी सम्राट के सामने घुटनों तक की अपनी धोती-चादर में खड़े होकर, शालीनता से यह कहने का साहस होना चाहिए कि मैं और मेरा देश ऐसी अधनंगी हालत में इसलिए है कि हम सबके कपड़े भी तो आपने पहन रखे हैं। महादेव देसाई का वह पत्र बदला गया। सीधा-सा निवेदन कि आपकी इस श्रेष्ठ कृति का गुजराती अनुवाद करने और उसे प्रकाशित करने की अनुमति चाहता हूं। फिर यह भी बताया कि जिस भाषा में इसका प्रकाशन करना चाहता हूं, वह भाषा और उसके भाषी किस स्तर के हैं। आगे चलकर महादेव और बापू में जो अनोखा रिश्ता बना, उसकी बुनियाद यही घटना थी। गांधी के नक्षत्र-मंडल में एक थे- भाषाविद-लेखक-विचारक काका कालेलकर। सन् 1922 में उन्हें एक अलग ही गांधी का सामना करना पड़ा। मराठीभाषी काका साहब लिखते हैं- मैं जब गांधीजी के आश्रम में गया, तब मुझे न गुजराती आती थी और न हिंदी। मैंने दोनों भाषाएं सुनी तो थीं, लेकिन बोलने-लिखने का तनिक भी अभ्यास नहीं था। मैं गुजरात विद्यापीठ में हिंदी में पढ़ाता जरूर था, क्योंकि वहां मेरी जितनी हिंदी भी कोई नहीं जानता था। फिर थोड़ी हिम्मत आने पर मैं गुजराती में बोलने लगा। फिर यह भी हुआ कि नवजीवन में कॉलम-दो कॉलम की कमी पड़ती, तो स्वामी आनंद मुझसे कुछ लिखवाकर, उसे ठीक-ठाक करके छाप देते थे। फिर आया 1922 का साल। बापू जेल चले गए। तब सारा-का-सारा नवजीवन मेरे जिम्मे आ गया। जेल में बापू ने किसी से सुना कि मैं नवजीवन ठीक-ठाक संभाल रहा हूं, तो एक दिन उनका पत्र आया- जिस तरह अंग्रेजी शब्दों के हिज्जे निश्चित हैं, गुजराती में वैसा नहीं है। जिसे जैसा मन में आए, वैसा हिज्जे कर लेता है। इससे गुजराती भाषा भूत जैसी हो गई है। मुझे एक ऐसा कोश बनाकर दो, जिसमें गुजराती के सब शब्द हों और हर एक शब्द के हिज्जे नियम के अनुसार शुद्ध-शुद्ध लिखे हों। बापू का ऐसा खत पाकर मैं आश्चर्यचकित रह गया। बाद में मैं भी जेल पहुंच गया। जब छूटा, तब बापू भी छूटे। मिलना हुआ, तो मैंने उनसे कहा- आपने मुझसे यह कैसी अपेक्षा की? न गुजराती मेरी जन्मभाषा है और न मैं उसके साहित्य का जानकार हूं। मैं तो उसका व्याकरण भी नहीं जानता! बापू बोले- हां, हां, यह सब तो ठीक है, लेकिन मैंने कब कहा कि यह सब तुम्हें अकेले करना है? जिसकी भी मदद चाहिए, लो। मैंने तो यह काम तुमको सौंप दिया है और अब तुमसे ही जवाब मांगूंगा। इस चीज का महत्व तुम समझते हो, तो फिर एक भी भूल न रहे, ऐसा निर्दोष कोश बनाओ, गुजराती शब्दों के हिज्जे को व्यवस्थित कर दो। मैंने सिर झुका दिया। पिछले 40 बरसों से हिज्जे को लेकर जितनी चर्चा-विचारणा हुई थी।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने टाली बड़ी हवाई त्रासदी

आसमान में उड़ता हुआ विमान सामान्यतः यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा और मंजिल तक पहुंचने का भरोसा लेकर चलता है। विमान के भीतर बैठे लोग यह कल्पना भी नहीं करते कि कुछ ही क्षणों में वही यात्रा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रहे एक विमान में कुछ ऐसा ही हुआ। उड़ान के दौरान ऐसी भयावह स्थिति पैदा हुई, जिसमें विमान में सवार लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। उस समय भारतीय विमान चालक कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, उसकी चर्चा भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक हिस्सों में हो रही है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में लगभग 174 यात्री सवार थे। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। उड़ान के दौरान विमान में कार्यरत सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले के बाद विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया। सबसे कठिन स्थिति यह थी कि जिस व्यक्ति के हाथ में विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी थी, उसी पर हमला कर दिया गया था। कैप्टन मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने घायल अवस्था में भी विमान के नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कक्ष का दरवाजा खोलने में सफलता प्राप्त की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद दो अन्य विमान चालकों ने भी स्थिति संभालने में सहायता की। अंततः विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। इस पूरी घटना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि संकट के उस क्षण में कैप्टन मच्छार ने केवल अपने जीवन की चिंता नहीं की। उनके सामने विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। एक विमान चालक के लिए सामान्य परिस्थितियों में भी निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन जब स्वयं चालक घायल हो, विमान असामान्य स्थिति में हो और कुछ ही क्षणों में बड़ा हादसा हो सकता हो, तब निर्णय लेने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा होती है। कैप्टन मच्छार ने इसी परीक्षा में असाधारण धैर्य दिखाया। घटना के बाद कैप्टन मच्छार को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कैप्टन मच्छार के साहस की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा नायक बताया। कैप्टन स्मित मच्छार का विमानन क्षेत्र में लंबा अनुभव भी इस घटना के संदर्भ में उल्लेखनीय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह मुंबई के घाटकोपर क्षेत्र से हैं और इससे पहले स्पाइसजेट में कार्य कर चुके हैं। जून 2022 में वह फ्लाईदुबई से जुड़े थे। उनके पास बोइंग 737 विमानों को उड़ाने का लगभग 9750 घंटे का अनुभव बताया गया है। इतने लंबे अनुभव ने निश्चित रूप से उन्हें कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की व्यावसायिक क्षमता प्रदान की होगी, लेकिन केवल अनुभव से उस क्षण का साहस नहीं समझाया जा सकता। घायल होने के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना उनके कर्तव्यबोध को भी सामने लाता है। इस घटना की एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रियों ने भी संकट के समय असाधारण सहयोग किया। विमान के भीतर उत्पन्न खतरे को केवल चालक दल ने ही नहीं संभाला, बल्कि यात्रियों ने भी हमलावर को काबू करने में मदद की। इससे पता चलता है कि आपात स्थिति में सामूहिक सहयोग कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। एक व्यक्ति की बहादुरी ने रास्ता बनाया, लेकिन उसके बाद कई लोगों के सहयोग ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में भूमिका निभाई। इस घटना को केवल एक व्यक्ति की कहानी मानना पूरी तस्वीर को छोटा कर देना होगा। यह साहस, प्रशिक्षण, जिम्मेदारी और सामूहिक सहयोग की कहानी भी है। घटना के बाद विमान सुरक्षित रूप से तबूक पहुंचा और यात्रियों को आगे उनकी मंजिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उपलब्ध समाचारों के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित रहे। जिस स्थिति में विमान हजारों फुट नीचे आ गया था, उसमें सुरक्षित अवतरण अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। विमान की आपात स्थिति और उसके बाद हुई घटनाओं की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसलिए सह-पायलट की वास्तविक मंशा, हमले का कारण और घटना के पीछे की पूरी परिस्थितियों के बारे में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। कैप्टन मच्छार की बहादुरी को लेकर भारत में भी भावनात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के कुंडा क्षेत्र से विधायक रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें राजा भैया के नाम से भी जाना जाता है, ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे बहादुर विमान चालक को सम्मानपूर्वक भारतीय सेना में विमान चालक के पद पर नियुक्त किया जाए तो यह गर्व की बात होगी। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से इस विषय पर विचार करने का आग्रह किया। यह फिलहाल एक राजनीतिक नेता द्वारा किया गया सुझाव है, कोई सरकारी नियुक्ति या निर्णय नहीं। राजा भैया की इस मांग ने एक अलग बहस को भी जन्म दिया है। भारतीय सेना में नियुक्तियां निर्धारित नियमों, पात्रताओं और प्रक्रियाओं के अनुसार होती हैं। किसी व्यक्ति की असाधारण बहादुरी निश्चित रूप से सम्मान का विषय हो सकती है, लेकिन किसी विशिष्ट पद पर नियुक्ति का निर्णय संबंधित नियमों और संस्थागत प्रक्रियाओं के अनुसार ही किया जा सकता है। इसलिए राजा भैया की मांग को एक सम्मानजनक सुझाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी घोषित सरकारी फैसले के रूप में। कैप्टन मच्छार की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि किसी पेशे की असली परीक्षा तब होती है, जब सामान्य परिस्थितियां अचानक असामान्य हो जाएं। विमान चालक के लिए यात्रियों की सुरक्षा केवल नौकरी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। कैप्टन मच्छार ने जिस परिस्थिति में अपना संयम बनाए रखा, उसमें उनके सामने अपने जीवन का खतरा भी था और विमान में सवार लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी। ऐसे समय में भय स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद जिम्मेदारी निभाना ही साहस का वास्तविक अर्थ है। इस घटना के संदर्भ में कैप्टन मच्छार के कुछ पुराने विचार भी उल्लेखनीय हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़ी एक रिपोर्ट में उनके पूर्व कथनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें उन्होंने यात्रियों के सुरक्षित विमान से बाहर निकलने को अपनी प्राथमिकता बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों से संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। आज जब उनकी अपनी उड़ान में असाधारण संकट आया, तब उनके व्यवहार में भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की वही भावना दिखाई दी। आकाश में घटित यह घटना कई सवाल भी छोड़ गई है। विमान में चालक दल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए? यदि चालक दल के किसी सदस्य से ही अचानक खतरा उत्पन्न हो जाए तो ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त व्यवस्थाएं होनी चाहिए? आपातकालीन प्रशिक्षण में ऐसी घटनाओं को किस तरह शामिल किया जाना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर संबंधित विमानन संस्थाओं और जांच एजेंसियों को देना होगा। घटना की जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर विमानन सुरक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं। फिलहाल सबसे बड़ी बात यह है कि एक बेहद कठिन परिस्थिति में विमान सुरक्षित रूप से जमीन पर पहुंचा और उसमें सवार यात्रियों की जान बच गई। कैप्टन स्मित मच्छार स्वयं घायल हुए, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय संकट का सामना किया। यही कारण है कि उनकी बहादुरी की चर्चा सीमाओं से परे हो रही है। भारत के प्रधानमंत्री से लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री तक ने उनके साहस की सार्वजनिक रूप से सराहना की है। कैप्टन स्मित मच्छार की कहानी केवल एक विमान दुर्घटना को टालने की कहानी नहीं है। यह उस मानवीय साहस की कहानी है, जिसमें व्यक्ति अपने सामने उपस्थित खतरे के बावजूद दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करो की नीति

वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग हर हर महादेव तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नक्सली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकर हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशेत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समाचार आ रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा बताने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण कर लिया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के माध्यम से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड़ हैं और हम भगवान शिव की आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं। रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि हर हर महादेव का उद्घोष नहीं किया जाता। रेड्डी ने कहा कि मोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और महाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही काँवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है। कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी चिढ़ रही है।

गुजरात के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार रोकने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कर्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने नफरत भरा बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल कॉरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था। आज दक्षिण भारत के जो कांग्रेसी नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहे हैं वह ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के उद्धार के लिए आगे क्यों नही आ रहे हैं? कांग्रेस के शासनकाल में भगवान शिव के मंदिरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक बार काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर में जाकर दर्शन करना चाहिए तब उन्हें स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आर्य प्रभु श्रीराम के भी भक्त हैं और भगवान शिव के भी भक्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम में भी भगवान की पूजा करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम में भी। वह अपनी हर जनसभा में हर-हर महादेव के नारे लगाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवत रेड्डी ने निहित राजनीतिक स्वार्थ व गांधी परिवार की चाटुकारिता के लिए एक निंदनीय बयान दिया है। यह बयान भारत को उत्तर और दक्षिण में बांटने की कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है। भाषा के आधार पर भी कांग्रेस उत्तर और दक्षिण को लड़ाती रही है। इस बयानबाजी का एक पक्ष मुस्लिम समाज को खुश रखने के लिए हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार करना भी है। यहां पर एक बड़ा सवाल यह भी है कि कांग्रेस के नेता कभी अन्य धर्मों के प्रति इस प्रकार के बयान क्यों नहीं देते यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो चुकी है गांधी परिवार व विपक्ष को अयोध्या का भव्य राम मंदिर व काशी विश्वनाथ धाम सहित अन्य मंदिरों का विकास अच्छा नहीं लग रहा है इसलिए अब उसने यह नया नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी व बीजेपी के लोग हर- हर महादेव नहीं बोलते। वास्तविकता ये है देश की जनता कांग्रेस की इस फूट डालो-राज करो की नीति अच्छी तरह से समझ चुकी है यही कारण है कि कांग्रेस लगातार सिमट रही है लेकिन वह अपने में सुधार के बजाए चुनाव आयोग व संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर होकर सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है।

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए बहुत अच्छे विचार हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है। उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है। यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया। देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने अनंत युद्ध से युद्ध की समाप्ति की दिशा में बढ़ने की बात कही थी। यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो नई दिल्ली के पास संवाद के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों के लिए उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यास के अंतिम चरण का निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उतरे। चीन, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा। इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मास्को युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्धक क्षमता में बदल रहा है। इसलिए तस्वीर बेहद दिलचस्प है। एक तरफ रूस युद्ध के मैदान में अपनी सैन्य क्षमता, मानवरहित युद्ध प्रणाली और दूर तक मार करने वाली तकनीक का प्रदर्शन कर रहा है; दूसरी तरफ उसी रूस के राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री के युद्ध समाप्त करने वाले विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। यही भारत की कूटनीति की असली परीक्षा और संभावित ताकत दोनों है। लेकिन रास्ता आसान नहीं है। यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं, ऊर्जा ढांचा लगातार निशाने पर है और काला सागर में सुरक्षा तथा अनाज आपूर्ति का संकट बना हुआ है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे के ऊर्जा तथा ईंधन ढांचे पर हमले कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की चुनौती केवल प्रस्ताव देने की नहीं, बल्कि प्रस्ताव को युद्धभूमि से वार्ताकक्ष तक पहुंचाने की है। यदि नई दिल्ली रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कायम रखते हुए ऊर्जा, कृषि, काला सागर और अंततः व्यापक युद्धविराम को एक ही ढांचे में जोड़ पाती है, तो यह केवल एक युद्ध को रोकने की कोशिश नहीं होगी, यह बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का बड़ा प्रमाण बन सकता है। फिलहाल इतना जरूर स्पष्ट है कि मोदी की शांति पहल को अब केवल भारतीय दावा नहीं कहा जा सकता; यूक्रेन ने उसे व्यापक प्रस्ताव बताया है और पुतिन ने स्वयं उसके पीछे मोदी की लगातार कोशिशों को स्वीकार किया है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हल्ला बोल; हिरासत में 150 लोग, जमावड़े पर रोक

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष और छात्र संगठन शनिवार को भी दिल्ली में सड़कों पर उतरे। इस बीच दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली जिले में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत जमावड़े पर रोक लगाने समेत कई कड़ी पाबंदिया लागू की गई हैं। धारा 163 लागू होने और पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद INDIA गठबंधन, AISA, योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण सहित कई नेताओं और प्रदर्शनकारियों ने मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने सौरभ भारद्वाज और नेहा बोरा समेत लगभग 150 लोगों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को AISA नेहा बोरा, एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव और वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण समेत लगभग 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। ये लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पटेल चौक से जंतर-मंतर तक मार्च कर रहे थे। मार्च के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल भी मौजूद रहे। बताया जाता है कि जैसे ही प्रदर्शनकारी जमा हुए पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेना शुरू कर दिया। जंतर-मंतर की ओर जाने वाली सड़कों पर बैरिकेड्स थे और जगह-जगह सुरक्षाकर्मियों ने मोर्चा संभाल रखा था। AISA के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान एक पुरुष पुलिस अधिकारी ने नेहा बोरा के साथ बदसलूकी की। हालांकि इन आरोपों की तुरंत स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। नेहा बोरा ने दोपहर 1 बजे जंतर-मंतर लौटने का आह्वान किया था। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों से लगभग 1,000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद हुआ है। कल भी पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने लोगों के बड़े समूहों को रोक दिया था। कई लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद में रिहा कर दिया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार के विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में 3 FIR दर्ज की गई हैं। इनमें से 2 संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में जबकि एक कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। एफआईआर में किसी व्यक्ति या संगठन को आरोपी के तौर पर नामजद नहीं किया गया है। प्रदर्शनों के आयोजकों और शामिल संगठनों का विवरण दिया गया है। ये एफआईआर BNSS की धारा 163 के तहत नई दिल्ली जिले में लागू निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन से जुड़ी हैं। आदेश के तहत बिना मंजूरी के जमावड़ा करने, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, पिकेटिंग करने, धरना देने और नारे लगाने पर रोक लगाई गई है। इस बीच डीसीपी नई दिल्ली ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नई दिल्ली जिले में BNSS, 2023 की धारा 163 लागू कर दी गई है। इसके तहत हर तरह के जमावड़े पर रोक रहेगी। बिना अनुमति के सार्वजनिक भाषण, नारेबाजी, जुलूस, प्रदर्शन, धरना के साथ अन्य ऐसी ही गतिविधियों पर रोक रहेगी। किसी भी विरोध-प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। नई दिल्ली जिला पुलिस को किसी प्रदर्शन के बारे में पहले से कोई सूचना भी नहीं मिली है। लोगों से गुजारिश है कि वे आदेश का सख्ती से पालन करें। नियम तोड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नज़र

डीडीए को हाई कोर्ट की सख्त हिदायत; संपत्तियों के फ्रीहोल्ड आवेदनों पर 2 माह में लें फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने डीडीए को संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के लंबित आवेदनों पर दो महीने में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि डीडीए 1,373 आवेदकों से 155.06 करोड़ रुपये वसूलने के बावजूद फैसला अटकाए बैठा है। इससे लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं। अदालत ने आदेश दिया कि आवेदनों को मौजूदा नीति के अनुसार, निपटाया जाए और भविष्य के लिए नई नीति बनाई जाए। अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने डीडीए को संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इन आवेदनों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पहले ही निवासियों से 155.06 करोड़ रुपये वसूल चुका है। अदालत ने कहा कि लंबित आवेदनों पर मौजूदा नीति के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं भविष्य में आने वाले आवेदनों के लिए आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए) और डीडीए एक नीति बना सकते हैं। अदालत ने कहा कि इस अदालत ने मंत्रालय और डीडीए सहित संबंधित प्राधिकारियों को बार-बार संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के महत्व एवं दिल्ली के निवासियों को हो रही भारी परेशानियों से अवगत कराया है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह एवं न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यह स्थिति उन संपत्ति मालिकों के मामले में और गंभीर हो जाती है, जिन्होंने पहले ही आवेदन कर दिया है तथा उस समय लागू शुल्क का भुगतान भी कर दिया है लेकिन वे अब डीडीए के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। पीठ डीडीए की ओर से संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के आवेदनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण परेशानी का सामना कर रहे दिल्ली के निवासियों की याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा कि साल 2020 से साल 2026 के बीच संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए किए गए 1,373 आवेदन लंबित हैं, जबकि डीडीए पहले ही 155.06 करोड़ रुपये का कन्वर्जन शुल्क वसूल चुका है। इनमें से 308 आवेदनों को मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन उनके कन्वेयंस डीड (स्वामित्व हस्तांतरण दस्तावेज) निष्पादित नहीं किए गए हैं। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को तय की हे। उस दिन आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव और डीडीए के उपाध्यक्ष को कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

फूलन देवी बनकर एक-एक से बदला लूंगी; झोपड़ी जलाने पर भड़की युवती ने दी धमकी, नौ पर मुकदमा

बदायूं। यूपी के बदायूं से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के एक गांव में युवती की किसी ने झोपड़ी जला दी। युवती ने पुलिस-प्रशासन और लेखपाल पर आरोप लगाए। उसका आरोप है कि जबरन घर में घुसकर उसकी झोपड़ी में आग लगा दी गई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवती कह रही है कि फूलनदेवी बनकर एक-एक से बदला लूंगी। जलती झोपड़ी के सामने वीडियो बनाकर युवती ने इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। वीडियो के वायरल होने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस मामले में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पूरा मामाला कादरचौक थाना क्षेत्र के लभारी गांव का है। यहां हल्का लेखपाल धीरेन्द्र सिंह की शिकायत पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 29 सितंबर को नन्हीं देवी की शिकायत पर पुलिस टीम के साथ जमीन की पैमाइश करने मौके पर गए थे। पैमाइश के बाद शिकायतकर्ता को उसके रकबे पर कब्जा करने की जानकारी दी गई। उस दौरान बलवीर पुत्र बनवारी, रामप्रसाद पुत्र दोदराम और चमन पुत्र बलवीर ने पैमाइश का विरोध करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली। 30 सितंबर को नन्हीं देवी ने पैमाइश में बताए गए रकबे पर नींव भरवाई थी। लेखपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसी रात बलवीर, रामप्रसाद और चमन ने नींव उखाड़कर फेंक दी। इसकी शिकायत नन्हीं देवी ने उपजिलाधिकारी से की थी। शिकायत के बाद एक अक्तूबर को राजस्व टीम और पुलिस टीम उखाड़ी गई नींव की स्थलीय जांच करने पहुंची। लेखपाल का कहना है कि जांच शांतिपूर्वक चल रही थी, तभी हरदेव पुत्र दोदराम, ओमपाल पुत्र खेमकरन, घमंडी पुत्र खेमकरन, गंगाश्री पत्नी बलवीर, अमरवती पत्नी रामप्रसाद और राजवीर पुत्र देव सिंह ने सरकारी कार्य में बाधा डाली। आरोप है कि हरदेव के उकसाने पर अमरवती, गंगाश्री, ओमपाल और घमंडी ने रामप्रसाद की जर्जर खाली झोपड़ी में आग लगा दी।

सौरभ दास और आशुतोष रांका लिबरल्स पर भड़क गए, कहा- कई बार वे भाजपा इकोसिस्टम से भी बुरे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र सरकार के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अब कथित लिबरल्स इकोसिस्टम पर ही भड़क गई है। सीजेपी के सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका ने शनिवार को इनकी आलोचना करते हुए यहां तक कहा कि वे कई बार भाजपा के इकोसिस्टम से भी बुरा बर्ताव करते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के मुंबई और लेफ्ट समेत कई दलों-संगठनों के दिल्ली में प्रदर्शन के एक दिन बाद यह टकराव देखने को मिला है।

आशुतोष रांका या सौरभ दास ने इस तरह की बातें क्यों कहीं, इसको लेकर कोई वजह तो नहीं बताई है। लेकिन माना जा रहा है कि लेफ्ट, कांग्रेस और सीजेपी के बीच जेन जी की अगुआई को लेकर टकराव हो गया है। मुद्दों पर सहमति के बावजूद आंदोलन के नेतृत्व और क्रेडिट को लेकर खींचतान चल रही है। अलग-अलग खेमों की तरफ से भाजपा के खिलाफ लड़ाई में खुद को ज्यादा मजबूत और दूसरे से बेहतर बताया जा रहा है। यही वजह है कि शनिवार को सीजेपी, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और वाम दलों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोला तो उनके बीच तालमेल का अभाव दिखा। कोई मुंबई गया तो कोई दिल्ली में रहा और किसी ने सोशल मीडिया पर सिर्फ बयानबाजी ही की। जंतर-मंतर जाने का समय भी सबका अलग-अलग रहा। सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका ने पलटवार करते हुए कहा, एक पूरा स्वघोषित लिबरल इकोसिस्टम अभिजीत दीपके और लंबे समय बाद लाखों भारतीयों की कल्पना को प्रभावित करने की निंदा के लिए सक्रिय हो गया है। हास्यास्पद है कि यह इकोसिस्टम सिर्फ ट्विटर पर मौजूद है लेकिन वे सोचते हैं कि वे लोकतंत्र के एकमात्र रक्षक हैं। आशुतोष रांका की टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेता रीतम सिंह ने आरोप लगाया कि सीजेपी आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के इशारों पर ही चल रही है।

उन्होंने कहा कि असम में रांका और अन्य को हिरासत से कांग्रेस ने छुड़ाया, लेकिन उन्होंने गौरव गोगोई से मुलाकात से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा आम आदमी पार्टी के कहने पर हुआ। उन्होंने नेहा बोरा को नजरअंदाज करने और राहुल गांधी को साथ ना लेने को लेकर भी कोसा। सीजेपी के दूसरे सह-संयोजक सौरभ दास ने इस बात को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में बड़ा हादसा, यमुना में नहाने गई 2 महिलाएं डूब गईं; दोनों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के वजीराबाद में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां जितिया पर्व के मौके पर यमुना नदी में डूबने से 2 महिलाओं की मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाएं जितिया पर्व पर नहाने के लिए वजीराबाद के सुर घाट पर पहुंची थीं। इस दौरान नहाते-नहाते गहरे पानी में चली गईं और उसी में समा गईं। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बाद में काफी खोजबीन के बाद दोनों महिलाओं के शव को नदी से बाहर निकाला गया। इस घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाएं जखीरा इलाके की रहने वाली थीं। उनकी पहचान पिंकी कुमारी और काजल कुमारी के रूप में हुई है। दोनों एक साथ ही पढ़ने जाती थीं और अब दोनों साथ में नदी किनारे नहाने के दौरान डूब गईं और उनकी जान चली गई। नॉर्थ दिल्ली की डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि दोनों महिलाएं वजीराबाद के सुर घाट पर नहाने के लिए अपने परिजनों के साथ गई थीं। इस दौरान ज्यादा गहराई में जाने के कारण दोनों पानी में डूब गईं। पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाओं के नदी में डूबने की सूचना गुरुवार को मिली थी। इसके बाद गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को नदी से बाहर निकाल लिया। इसके बाद उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना को लेकर जानकारी देते हुए दोनों के परिजनों ने बताया कि पिंकी यमुना में नहाने के लिए गई और पानी लेकर वापस आ गई। उसी समय काजल भी पानी के अंदर थी और नहा रही थी। इस दौरान परिजनों ने नोटिस किया कि पिंका और काजल दोनों ही उस जगह से गायब हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों के लापता होने के बाद वो घाट पर ढूंढने लगे। जब कहीं पता नहीं चला तो गोताखोरों को बुलाया गया और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शवों को बरामद कर लिया गया।

बम जैसी आवाज के साथ उड़ गए चिथड़े, नोएडा में 42वीं मंजिल से कूदा शख्स

नई दिल्ली। नोएडा में एक युवक ने सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसाइटी की स्पायरा बिल्डिंग की 42वीं मंजिल की बालकनी से नीचे कूदकर जान दे दी। युवक के इतनी अधिक ऊंचाई से गिरने के कारण एकदम से कोई बम फटने जैसी आवाज के बाद शव चिथड़े-चिथड़े हो गया और सोसाइटी कंपाउंड में चारों खून और लाश के टुकड़े बिखर गए। मृतक की पहचान संभव जैन के रूप में हुई है। वह गुरुग्राम के मानेसर क्षेत्र का रहने वाला था। युवक द्वारा आत्महत्या की असल वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची सेक्टर-126 थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, संभव जैन स्पायरा बिल्डिंग के एक कमरे में एक दिन के लिए अकेले ही ठहरने आया था। शुक्रवार को उसने कमरे की बालकनी की रेलिंग से नीचे छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के साथ ही फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने बिल्डिंग और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि युवक मानसिक तनाव में था। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस उसके कमरे और आसपास से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नोएडा सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसाइटी में फ्लैट किराए पर देने को लेकर सख्ती की गई है। एयरबीएनबी जैसी अल्पकालिक व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सुपरनोवा अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन (एओए) ने शुक्रवार को हुई आम सभा में टेनेंसी रेगुलेशन पॉलिसी-2026 को मंजूरी दी। इसके तहत किराएदारों के सत्यापन और पृष्ठभूमि की जांच के लिए टेनेंसी कमेटी गठित की गई है। यह फैसला सोसाइटी में अराजकता, मारपीट, अवैध कॉल सेंटर और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतों के मद्देनजर लिया गया है। एओए पदाधिकारियों के मुताबिक अब कोई भी मकान मालिक सीधे या प्रतिनिधि के माध्यम से छात्रों, बैचलर या नए किराएदारों को फ्लैट किराए पर नहीं दे सकेगा। किराएदार को रखने से पहले टेनेंसी कमेटी के समक्ष आवेदन, जरूरी दस्तावेज और पुलिस सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। कमेटी किराएदार की पृष्ठभूमि और आचरण की जांच करेगी। कमेटी से क्लीयरेंस मिलने के बाद ही किराएदार को सोसाइटी में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अनुमति नहीं मिलने पर मकान मालिक संबंधित व्यक्ति को फ्लैट किराए पर नहीं दे सकेगा।

मुझे वो दिल्ली चाहिए प्रियंका कक्कड़ ने क्यों छोड़ा केजरीवाल का साथ

नई दिल्ली। शनिवार को दिल्ली की राजनीति में हलचल देखने को मिली। आम आदमी पार्टी की नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आप का दामन छोड़कर कांग्रेस जॉइन कर लिया। इस दौरान दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस जॉइन करने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने और कांग्रेस जॉइन करने का अपना मकसद भी बता दिया है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि उन्हें वो दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें वो बड़ी हुई हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने इसकी वजह भी बताई है। कक्कड़ ने कहा कि उन्हें वो दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें वो बड़ी हुई हैं। प्रियंका कक्कड़ का कहना है कि वो जिस दिल्ली में बड़ी हुई हैं, वो साफ-सुथरी, हरी-भरी और प्रगतिशील दिल्ली थी। उन्होंने कहा कि लगभग 10 साल के राजनीतिक करियर में उन्हें ये समझ आया है कि वैसी दिल्ली सिर्फ कांग्रेस ही बना सकती है। कांग्रेस जॉइन करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आज देश में अगर कोई नेता विश्वसनीय है तो वो राहुल गांधी हैं। कक्कड़ ने कहा कि राहुल गांधी इकलौते ऐसे नेता हैं, जिन्होंने कैमरे के लिए आंसू नहीं बहाए कभी। कक्कड़ ने कहा कि पिछले कुछ सालों में राहुल गांधी को नीचा दिखाने के लिए पूरी एक मशीनरी लगा दी गई, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस झुके नहीं। आम आदमी पार्टी छोड़ने के सवाल पर प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि बात हुई थी कि बंग्ला और गाड़ी नहीं लेंगे, लेकिन प्राइवेट चॉपर का इस्तेमाल किया जाने लगा। कक्कड़ ने केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इतना सब होने के बाद भी अब वो आप का बचाव नहीं कर सकती हैं। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि जब मैंने देखा आप ने देश के बुद्धिजीवी लोगों को अपनी तरफ खींचा लेकिन वो उन्हें संभाल नहीं पाए।

राघव चड्ढा के बाद आप को लगा नया झटका, टीवी पर दिखने वाला बड़ा चेहरा छोड़ गया साथ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को एक और बड़ा झटका लगा है। राघव चड्ढा समेत कई नेताओं की बगावत के बाद अब एक और मजबूत चेहरे ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। टीवी पर पार्टी के पक्ष को मजबूती से रखने वाली प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने अब अरविंद केजरीवाल की पार्टी का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया।

कक्कड़ के साथ रजत राकेश टंडन और पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली। पेशे से वकील प्रियंका कक्कड़ आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। वह टीवी डिबेट के दौरान आम आदमी पार्टी के पक्ष को बेहद मजबूती से और आक्रामक तरीके से रखने के लिए जानी जाती थीं। भाजपा के प्रवक्ताओं उनकी बहस के वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। अब अचानक उन्होंने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला और पवन खेड़ा की मौजूदगी में प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस की सदस्यता हासिल की। प्रियंका कक्कड़ ने कहा, मैं आज बहुत गर्व के साथ कांग्रेस में शामिल हो रही हूं, क्योंकि मुझे वह दिल्ली वापस चाहिए जिसमें मैं बड़ी हुई थी। मैं क्लीन, ग्रीन, प्रोग्रेसिव और सेफ दिल्ली चाहिए जिसमें मैं पली-बढ़ी। एक दशक से अधिक के अनुभव से मैं महसूस करती हूं कि सिर्फ कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है।

मैंने यह भी महसूस किया कि आज हमारे देश की राजनीति में अगर कोई नेता विश्वसनीय है तो राहुल गांधी हैं। मैंने पाया कि वह अकेले नेता हैं जिन्होंने कैमरे के लिए आंसू नहीं बहाए। मैंने देखा कि उन्हें नीचा दिखाने के लिए मशीनरी लगा दी गई, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस अटल रहे। प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजहों का जिक्र करते हुए बंगला-चॉपर वाली बात कहकर सीधे नेतृत्व को निशाने पर लिया। उन्होंने इशारों में अरविंद केजरीवाल पर ही निशाना साधा और कहा, मैंने आम आदमी पार्टी छोड़ी क्योंकि बात हो रही थी बंगला गाड़ी नहीं लेंगे, पर फिर प्राइवेट यात्रा के लिए चॉपर का इस्तेमाल होने लगा और मैं इसका बचाव नहीं कर सकती थी। आम आदमी पार्टी ने बहुत बुद्धिमान लोगों को आकर्षित किया था, लेकिन वो उन्हें रिटेन नहीं कर पाए। आज कौन रिटेन हो रहे हैं, नए-नए लोग जिन्होंने बूथ लेवल पर भी काम नहीं किया, उन्हें राजस्थान से उठाकर पंजाब में बड़े बड़े पद, बंगला गाड़ी सब दिया जा रहा है। मैं इसका बचाव नहीं कर सकती थी।

दिल्ली के सबसे अनोखे चुनाव में मौत के बाद भी जीत गई गोला, मिले 66 हजार से ज्यादा वोट

नई दिल्ली। दिल्ली का एक ऐसा अनोखा चुनाव, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। ये चुनाव नेताओं के बीच नहीं, बल्कि दिल्ली की सड़कों के लाड़ले और भारी-भरकम डॉग्स के बीच था.बीते दो हफ्तों से जारी ये चुनाव फिलहाल खत्म हुआ और विनर कौन है...इसका भी ऐलान हो चुका है। बता दें कि, ये चुनाव 64 गोलमटोल डॉग्स के बीच शहर के सबसे चंकी डॉग को चुनने का था। इस चुनाव में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। शुक्रवार शाम को सामने आए नतीजों में दिल्ली के सबसे मोटे कुत्तों की इस मजेदार रेस में हौज खास के एसडीए मार्केट की चहेती गोला ने बाजी मार ली है और 27 हजार वोटों से जीत गई। उसे 66 हजार से ज्यादा वोट मिले। हौज खास के एसडीए मार्केट में रहने वाली गोला ने साकेत के गूगू समेत 62 दूसरे कुत्तों को पीछे छोड़ते हुए

यह खिताब अपने नाम किया। गोला को कुल 94 हजार वोटों में से 66,952 वोट मिले, यानी उसे 71.2 प्रतिशत वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे गूगू को 39,904 वोट मिले। बता दें कि, एसडीए मार्केट का प्यारा सामुदायिक कुत्ता और इलाके में जाना-पहचाना चेहरा गोला था। चुनाव के दौरान ही उसकी अचानक मौत हो गई। हालांकि, गोला के निधन के बावजूद दिल्ली के डॉग लवर्स ने उसे जमकर वोट दिए और अपना प्यार दिखाया। लोगों ने प्रतियोगिता के इंस्टाग्राम पेज के जरिए ऑनलाइन वोटिंग की। आयोजकों ने राजधानी में चार जगह मतदान केंद्र भी बनाए थे, जहां लोग जाकर वोट कर सकते थे। इस दौरान 1,000 से ज्यादा लोगों ने ऑफलाइन वोट भी डाले। चुनाव के खत्म होने के साथ ही इसमें शामिल कुत्तों के लिए कई इनाम और मदद का ऐलान किया गया। कई ब्रांड और लोगों ने प्रतियोगियों को खास तोहफे देने की पेशकश की। जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट ने सिएना मेड इन बंगाल के साथ मिलकर हर प्रतियोगी को एक खास सिरेमिक कटोरा देने की घोषणा की है। इसके अलावा, आयोजकों की पसंद के पशु आश्रय को 50 हजार रुपये की मदद दी जाएगी। वहीं, कुत्तों के एक साल के खाने के लिए 50 हजार रुपये और उनके बिस्तर व कॉलर के लिए 30 हजार रुपये देने का भी ऐलान किया गया है। बियरहग्स ने प्रतियोगिता में शामिल कुत्तों के इलाज और मेडिकल खर्च के लिए 50 हजार रुपये अलग रखे हैं। इसके अलावा उन्हें ट्रीट, बिस्तर और रिफलेक्टिव कॉलर भी दिए जाएंगे। इन इनामों में केक, अच्छा खाना, खिलौने, जैकेट, पेट के कीड़ों की दवा और जरूरी सप्लीमेंट्स भी शामिल हैं।

कांग्रेस ढाल है, इसे हटाया तो सपा का ही होगा नुकसान; अखिलेश से बोले इमरान मसूद

लखनऊ। इमरान मसूद के उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनते ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। भारतीय जनता पार्टी से जब इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो भगवा खेमे ने कहा कि यह बस मुसलमानों को खुश करने की एक कोशिश है। भाजपा ने एक और बात कही जो कि अखिलेश यादव की पार्टी से जुड़ी है। आपको बता दें कि हाल के दिनों में कई मौकों पर इमरान मसूद और सपा में तनातनी की घटना देखने को मिली है। इस नई जिम्मेदारी की घोषणा से ठीक पहले सीएनएन न्यूज-18 को दिए एक इंटरव्यू में इमरान मसूद ने समाजवादी पार्टी के साथ उनके संबंधों पर खुलकर चर्चा की है। उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस और सपा के बीच कोई समस्या है? इमरान मसूद ने मतभेद की बात को खारिज कर दिया। साथ ही कहा, बीजेपी को हमारी चिंता नहीं करनी चाहिए। बीजेपी सिर्फ चुनाव आयोग की वजह से मैदान में टिकी है। ईसी उनका समर्थन करता है इसलिए उन्हें ताकत महसूस होती है। वरना जमीनी हकीकत यह है कि हर कोई बीजेपी से तंग आ चुका है। असली तस्वीर अब सामने आ रही है। इस सवाल के जवाब में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, पिछले चुनाव में अगर शपा और कांग्रेस के बीच तालमेल बेहतर होता तो नतीजे कुछ और होते। बीजेपी से लड़ना आसान नहीं है। वे साम, दाम, दंड, भेद सभी हथकंडे अपनाते हैं। न तो नैतिकता का पालन किया जाता है और न ही नियमों का। कोई राजनीतिक परंपरा नहीं निभाई जाती। वे जीतने के लिए हर तरीका अपनाते हैं। इसलिए आपको उसी हिसाब से तैयारी करनी होगी और अपने संसाधन जुटाने होंगे। इमरान मसूद से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के उस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई जिसमें उन्होंने कहा था कि सीट शेयरिंग के लिए जीत की संभावना को पैमाना बनाना चाहिए।

अखिलेश ने अचानक बदले एमएलसी के 2 उम्मीदवार, गोरखपुर से संजयन; आगरा से आकाश को टिकट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी एमएलसी के दो उम्मीदवारों के नाम अचानक बदल दिए हैं। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से अब कमलेश यादव की जगह डॉ.संजयन त्रिपाठी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। इसी तरह शिक्षक निर्वाचन आगरा खंड से प्रकाश चंद्र गुप्त की जगह पूर्व एमएलसी डॉ.आकाश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाए जाने का ऐलान अखिलेश यादव ने किया। उन्होंने डॉ.संजयन त्रिपाठी और डॉ.आकाश अग्रवाल के स्वागत के साथ ही कमलेश यादव और प्रकाश चंद्र गुप्त, उनके परिवारों, समर्थकों और चुनाव अभियान में जुटे लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। अखिलेश यादव ने दावा किया कि दोनों टिकटों में परिवर्तन, पूर्व में घोषित उम्मीदवारों की सहमति से किया गया है और एमएलसी के होने वाले चुनावों में वे पूरा सहयोग करेंगे। सपा मुखिया ने यह भी कहा कि वह इस त्याग के लिए दोनों के हमेशा आभारी रहेंगे और वक्त आने पर उन्हें उचित सम्मान भी देंगे। अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि इस चुनाव में वे इन दो प्रत्याशियों के साथ पार्टी के सभी प्रत्याशियों को जिताएंगे। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि इस सरकार में शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा पेपर लीक हुए, सरकारी नौकरियों में भेदभाव हुआ। स्कूली शिक्षा और एजुकेशन सिस्टम कभी इतना बर्बाद नहीं हुआ जितना भाजपा के कार्यकाल में हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा कि कई संस्थानों में गिरोह बन गए हैं। हमें उम्मीद है कि हम जनता के बीच में जाकर इन सवालों को रखेंगे। सबसे बड़ा सवाल शिक्षकों के साथ भेदभाव का है। तदर्थ शिक्षकों, वित्त विहीन, शिक्षा मित्र और ओल्ड पेंशन स्कीम जैसे मुद्दों को हम समाजवादी पार्टी घोषणा पत्र में रखेंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों ने गलत तरीके से वोट बनवाए। उन्होंने उम्मीद जताई की दो अनुभवी लोगों के आने से जीत पक्की होगी। सपा प्रमुख ने कहा कि पिछले 10 साल में जिस तरह शासन, प्रशासन और पुलिस का व्यवहार रहा, सुप्रीम कोर्ट ने उन सबको ध्यान में रखते हुए हाल में टिप्पणी की है। गोरखपुर के एक साथी ने सड़क पर पानी भरा होने का वीडियो डाला तो उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई हो गई। संतकबीरनगर में एक सम्मानित पहलवान की हत्या हो गई। कितनी घटनाएं हम बताएं। अब तो सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि यहां की पुलिस बर्बाद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पहले भी किसानों के पक्ष में फैसले लिए थे। नेताजी (स्व. मुलायम सिंह यादव) ने एक समय पर 10 हजार रुपए के कर्ज वापस लिए थे। सपा का घोषणा पत्र आने वाला है। जब बड़े-बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ हो सकते हैं तो किसानों के क्यों नहीं हो सकते? घोषणा पत्र का इंतजार करिए। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में आज शिक्षा और परीक्षा ध्वस्त हो चुकी है। स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ठप है। सपा की सरकार बनी तो प्रदेश में गरीबों का मुफ्त इलाज कराएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने कभी युवाओं को लैपटॉप दिया था।

एक नज़र

यूपी में बड़ा फेरबदल, 15 आईएएस अफसरों के साथ 23 पीसीएस के भी तबादले,

लखनऊ। योगी सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए लगातार तबादले कर रही है। शनिवार को सरकार ने 15 आईएएस के अलावा 11 एडीएम, दो कुल सचिव, दो उपनिदेशक और एक सीडीओ समेत 23 पीसीएस अफसरों का तबादला भी किया गया है। अचानक हुए तबादले से विभाग में हड़कंप मचा है। शासन द्वारा जारी तबादला लिस्ट के मुताबिक राकेश कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद में अपर आयुक्त, नीरज शुक्ला को प्रबंध निदेशक पीसीएफ, डॉ. चन्द्र भूषण को अपर निदेशक, डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, सचिन कुमार सिंह को विशेष सचिव चिकित्सा, रूव खाडिया को मुख्य विकास अधिकारी मऊ, विवेक कुमार श्रीवास्तव को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद प्रयागराज, नरेंद्र बहादुर सिंह को सीडीओ जौनपुर, श्रीहरि प्रताप शाही को निदेशक पंचायती राज, अमित कुमार सिंह को प्रबंध निदेशक पीसीडीएफ, प्रकाश बिन्दु को सचिव चिकित्सा शिक्षा, माला श्रीवास्तव को निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म, डॉ. उज्जवल कुमार को विशेष सचिव एवं निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म, श्रीमती जे.ओ रीभा को प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन, अर्चना गहरवार को कुलसचिव डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, श्रीमती रीना सिंह को कुलसचिव किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय बनाया गया है। चंद्रेश कुमार को मुख्य राजस्व अधिकारी, देवरिया, ज्ञानेन्द्र विक्रम को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), संतकबीरनगर, श्रीमती लवी त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सहारनपुर, राजेश कुमार को अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मेरठ, पुष्पेंद्र पटेल को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रामपुर, अर्पित गुप्ता को कुलसचिव, कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय बांदा, विजय शंकर को कुलसचिव, महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुशीनगर, अभिनव कन्नौजिया को संयुक्त दुग्ध आयुक्त, दुग्ध आयुक्त कार्यालय, बृजेश कुमार सिंह को सचिव, मेरठ विकास प्राधिकरण, शिवानी सिंह को अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) जालौन, श्रीमती किंशुक श्रीवास्तव को प्रतीक्षारत की सूची में डाल दिया गया है। इसी तरह प्रेम चन्द्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) प्रतापगढ़, रामजी मिश्रा को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) लखनऊ, राजेंद्र कुमार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) हरदोई, प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मुरादाबाद, बृजेश कुमार त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) लखीमपुर खीरी, अनिरुद्ध प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, संगीता देवी को अपर जिलाधिकारी (नगर) अलीगढ़, गंभीर सिंह को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) मुजफ्फरनगर, नरेंद्र सिंह को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) आजमगढ़, आदित्य कुमार प्रजापति को अपर जिलाधिकारी (नगर) मेरठ, अमित कुमार को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, मयंक कुंडू को उपजिलाधिकारी मुरादाबाद बनाया गया है।

महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 1.78 करोड़ रुपये वसूले, पार्सल के नाम पर डराया

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में शहर की एक महिला डॉक्टर को साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर करीब 1.78 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। उनके नाम पर पार्सल में ड्रग्स होने का हवाला देते हुए करीब एक महीने तक नजरबंद रखा। साथ ही किसी को जानकारी नहीं देने की धमकी देते हुए तत्काल गिरफ्तारी का धौंस भी दी। महिला डॉक्टर की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है। साइबर पुलिस के अनुसार, जार्जटाउन क्षेत्र की एक महिला डॉक्टर को करीब एक महीने पहले अंजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को कोरियर कंपनी का कर्मचारी बताते हुए उनके नाम का पार्सल आने की जानकारी दी। इसके थोड़ी देर बाद कथित सीबीआई अफसर बनकर दूसरे नंबर से शातिरों ने कॉल कर पार्सल में महिला डॉक्टर के नाम पर ड्रग्स होने की जानकारी दी। शातिरों ने महिला डॉक्टर को किसी को भी जानकारी नहीं देने की हिदायत दी। साथ ही जांच के नाम पर बैंकिंग व अन्य डिटेल भी मांगी। आरोप है कि करीब एक महीने तक आरोपियों ने डिजिटल अरेस्ट रखा और अलग-अलग बैंक खाते में करीब 1.78 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। शातिरों ने इसके बाद भी रुपये की डिमांड जारी रखी। आखिरकार महिला डॉक्टर ने साइबर थाने पहुंचकर जानकारी दी और एफआईआर दर्ज करवाई। साइबर थाना निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। जल्द ही बैंक खातों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमानंद के शिष्यों ने अनुज को बंधक बनाया परिजनों के गंभीर आरोप, बोले- 4 बहनों का इकलौता भाई

वृंदावन। मथुरा के वृंदावन स्थित प्रेमानंद महाराज के आश्रम आया एक किशोर गायब हो गया है। सादाबाद के गायब 17 वर्षीय अनुज चौधरी के परिजन संत प्रेमानंद महाराज के राधा केलि कुंज के सामने धरने पर बैठ गए। अपने बेटे की सकुशल बरामदगी की मांग पर बैठे परिजनों ने आश्रम के शिष्यों पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। करीब आठ घंटे बाद पुलिस द्वारा समझाने पर धरना समाप्त कर दिया गया। चार बहनों के इकलौते भाई की तलाश में परिवार हलकान है। परिजन रो-रोकर अनुज को पुकार रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि संत प्रेमानंद के शिष्यों ने उनके बेटे को जबरन अपने कब्जे में ले रखा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जनपद हाथरस के गांव बरामाई खेड़ा थाना सादाबाद के रहने वाले राजवीर चौधरी और उनके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। उनके घर का इकलौता चिराग अनुज पिछले तीन महीने से लापता है। घर से प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने की कहकर निकले अनुज का अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। अनुज के पिता राजवीर का कहना है कि इस साल इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के बाद अनुज वृंदावन प्रेमानंद महाराज के दर्शनों के लिए आया था। उसके बाद उसका मन भक्ति में रम गया और बीती 26 जून को अनुज ने विधिवत प्रेमानंद महाराज की दीक्षा ले ली। दीक्षा लेने के बाद अनुज घर पहुंचा और 3 जुलाई को दोबारा घर से आश्रम जाने के लिए निकला था। पिता के अनुसार अनुज अपने साथ दीक्षा में मिली कंठी माला और प्रेमानंद महाराज की तीन पुस्तकें लेकर गया था। इसके बाद से उनके बेटे का कुछ पता नहीं लग सका है। अनुज के पिता ने बताया कि वह पिछले तीन महीने से लगातार राधा केलि कुंज के चक्कर काट रहे हैं। हर बार आश्रम में मौजूद साधकों द्वारा उन्हें अनुज को घर भेज देंगे कहकर लगातार टालते रहे। उनका कहना है कि कभी आश्रम में कहा जाता कि अनुज यहां नहीं है, कभी जल्द ही मिलवाने का आश्वासन दिया गया और कभी कहा गया कि जल्दी घर भेज देंगे लेकिन उन्हें कभी भी बेटे से नहीं मिलवाया गया। पुलिस में शिकायत की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। दुखी होते हुए लापता किशोर के पिता ने कहा कि उनकी इनसे कोई लड़ाई नहीं है। वह तो यही चाहते हैं कि उनका बेटा वापस कर दें, यही उनकी मांग है। अनुज की दादी, मां, चाची, चारों बहनें अपने घर के दुलारे की सकुशल वापसी की कामना कर रहे हैं। सादाबाद के अनुज चौधरी की गुमशुदगी के प्रकरण में क्षेत्राधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि अनुज के परिजनों द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे हैं, इसकी जांच कराई जा रही है। हालांकि इस सम्बन्ध में थाना सादाबाद में पांच जुलाई को अनुज के चाचा जितेंद्र सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था।

आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर ड्राइवर-क्लीनर जिंदा जले, कंटेनर-डंपर की टक्कर के बाद लगी भीषण आग

खंदौली। उत्तर प्रदेश के आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। वहां कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर के ड्राइवर और क्लीनर की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बची हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5:45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे के दौरान आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर 5 किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाई। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के मनिया थाना क्षेत्र के कोड़राका निवासी आकाश (उम्र 25 साल) और करुआ (उम्र 24 साल) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, गिट्टी लगा डंपर अलीगढ़ से आगरा की तरफ जा रहा था। तभी उसकी सामने आ रहे फ्रोजन मटर लदे कंटेनर से टक्कर हो गई। इस दौरान डंपर के पीछे चल रहे बाइक सवार 2 युवक उससे टकरा गए। तब तक कंटेनर और डंपर में भीषण आग लग गई। कंटेनर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि डंपर चालक और क्लीनर अंदर फंस गए। दोनों की मौत हो गई। हादसे में घायल बाइक सवार युवकों में सुमित सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और सीटू पुत्र दिवान सिंह निवासी नगला जालिम, खंदौली हैं। दोनों का इलाज चल रहा है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, हादसा डंपर के ड्राइवर को नींद की झपकी आने से हुआ। घायल सुमित ने बताया कि वह सीटू के साथ बाइक से सादाबाद मंडी गए थे। लौटते समय उनके आगे चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। जिस वजह से बाइक डंपर से टकरा गई। इंस्पेक्टर उपेंद्र श्रीवास्तव ने बताया- दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कानपुर में 5 दिन से लापता LLB छात्रा की हत्या, परिजन बोले- दोस्त ने बेटी को मार डाला

कानपुर। कानपुर के गोविंदनगर के दबौली वेस्ट से पांच दिन से लापता एलएलबी छात्रा की हत्या कर दी गई। उसका शव शुक्रवार को कानपुर-झांसी रेलवे ट्रैक के किनारे 15 फीट नीचे झाड़ियों में सड़ी हालत में मिला। परिजनों ने उसके दोस्त पर हत्या करने का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने दोस्त ओमवीर यादव पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। वहीं, मामला चर्चा में आने के बाद डीसीपी साउथ ने घटनास्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। दबौली वेस्ट निवासी विमल कुमार पाल चाय की दुकान लगाते हैं। परिवार में पत्नी बुद्धि देवी, बेटा विनय और 23 वर्षीय बेटी रुचि पाल उर्फ स्वाति थी। रुचि एलएलबी द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। परिजनों ने बताया कि 28 सितंबर की शाम को रुचि घर से निकली थी। इसके बाद से नहीं लौटी। पुलिस ने रुचि के दोस्त ओमवीर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। उसके बाद भी रुचि का कुछ पता नहीं चल सका। परिजनों ने आरोप लगाया कि पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे चौकी से छोड़ दिया। शुक्रवार को रुचि के चाचा शैलेष रेलवे ट्रैक किनारे उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें रुचि की चप्पल पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास तलाश शुरू की तो करीब 15 फीट नीचे घनी झाड़ियों में रुचि का शव पड़ा मिला। परिजनों ने ओमवीर और उसके साथी पर बेटी की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंकने का आरोप लगाकर हंगामा किया। परिजनों ने पुलिस पर युवक को चौकी से छोड़ देने का आरोप लगाया। सूचना पर एसीपी बाबूपुरवा वीरेन्द्र विक्रम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, परिजनों ने छात्रा के गुमशुदा होने के बाद पुलिस पर खोजबीन न करने का आरोप लगाया है। डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया परिजनों के आरोपों के बाद मामले की जांच एसीपी बाबूपुरवा को दी गई है। जांच में सामने आया है कि युवती के साथ घटना शाम 6.31 बजे के आसपास हुई। उस वक्त वह अपने दोस्त ओमवीर से बात कर रही थी। ओमवीर का दावा है कि वह उस समय लखनऊ में था। युवती की गुमशुदगी के बाद जब परिजनों ने आरोप लगाया तो पुलिस ने उसे चौकी बुलाया था। गोविंद नगर थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि उस समय दोनों पक्ष आमने-सामने थे। लड़के ने बताया कि जब वह बात कर रहा था तो ट्रेन की आवाज आ रही थी। अचानक युवती ने बात बंद कर दी तो उसने बात क्यों नहीं कर रही हो का मैसेज भी भेजा। यह मैसेज युवती के मोबाइल पर मिला है। इंस्पेक्टर ने बताया कि उस समय जो ट्रेन गुजरी थी उसके चालक को बुलाकर भी पूछताछ की गई। उसने बताया कि ट्रेन के सामने युवती कूदी होती तो उसे दिखाई देता और वह ट्रेन रोककर मेमो जारी करता। उसने आशंका जताई कि इंजन निकलने के बाद यदि डिब्बे से युवती टकराई है तो उसे नहीं दिखाई देगा।

लापता युवती का शव मिला, हत्यारोपी दोस्त बोला- मैंने पूछा बात क्यों नहीं कर रही

कानपुर। यूपी के कानपुर में गोविंदनगर के दबौली वेस्ट से पांच दिन से लापता एलएलबी छात्रा की हत्या कर दी गई। उसका शव शुक्रवार को कानपुर-झांसी रेलवे ट्रैक के किनारे 15 फीट नीचे झाड़ियों में सड़ी हालत में मिला। परिजनों ने उसके दोस्त पर हत्या करने का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने दोस्त ओमवीर यादव पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। दोस्त ने कहा कि मैंने उससे मैसेज करके पूछा था बात क्यों नहीं कर रही? वहीं, मामला चर्चा में आने के बाद डीसीपी साउथ ने घटनास्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। दबौली वेस्ट निवासी विमल कुमार पाल चाय की दुकान लगाते हैं। परिवार में पत्नी बुद्धि देवी, बेटा विनय और 23 वर्षीय बेटी रुचि पाल उर्फ स्वाति थी। रुचि एलएलबी द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। परिजनों ने बताया कि 28 सितंबर की शाम को रुचि घर से निकली थी। इसके बाद से नहीं लौटी। पुलिस ने रुचि के दोस्त ओमवीर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। उसके बाद भी रुचि का कुछ पता नहीं चल सका। परिजनों ने आरोप लगाया कि पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे चौकी से छोड़ दिया। शुक्रवार को रुचि के चाचा शैलेष रेलवे ट्रैक किनारे उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें रुचि की चप्पल पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास तलाश शुरू की तो करीब 15 फीट नीचे घनी झाड़ियों में रुचि का शव पड़ा मिला। परिजनों ने ओमवीर और उसके साथी पर बेटी की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंकने का आरोप लगाकर हंगामा किया। परिजनों ने पुलिस पर युवक को चौकी से छोड़ देने का आरोप लगाया। सूचना पर एसीपी बाबूपुरवा वीरेन्द्र विक्रम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, परिजनों ने छात्रा के गुमशुदा होने के बाद पुलिस पर खोजबीन न करने का आरोप लगाया है।

एक कचौड़ी दो समोसा, जनता को भाजपा पर नहीं भरोसा, लखनऊ में सपा ऑफिस के बाहर लगी होर्डिंग

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर प्रदेश में पोस्टर वार शुरू हो गया है। लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर एक बड़ी होर्डिंग लगाई गई है। इस होर्डिंग में लिखे स्लोगन भाजपा पर तंज कस रहे हैं। साथ ही चुनाव आयोग को भी होर्डिंग पर लिखे स्लोगन के जरिए घेरा गया है। होर्डिंग का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सपा नेता मोहम्मद इखलाक ने लखनऊ सपा कार्यालय के बाहर एक बड़ी होर्डिंग लगवाई है। इसमें सबसे ऊपर बदायूं सांसद आदित्य यादव और साथ में शिवपाल यादव की फोटो छपी है। इसके बाद बड़े साइज में अखिलेश यादव की तस्वीर दिख रही है। नीचे तरफ सपा नेता मोहम्मद इखलाक का तस्वीर है और बीच में भाजपा और चुनाव आयोग को लेकर स्लोगन लिखे हैं। भाजपा पर तंज कसने के लिए लिखा गया एक कचौड़ी दो समोसा, जनता को बीजेपी पर नहीं है भरोसा। दूसरा स्लोगन एक कचौड़ी दो समोसा, चुनाव आयोग पे न करना भरोसा जैसे स्लोगन लिखे हैं। बतादें कि इससे पहले भी यूपी में पोस्टरवार हो चुके हैं। कभी भाजपा के खिलाफ पोस्टर लगा रही है तो कभी सपा भाजपाइयों के खिलाफ पोस्टरवार कर रहे हैं। अभी हाल में पिछले महीने वाराणसी में सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन पर ही विपक्ष ने उनके खिलाफ जगह-जगह पोस्टर लगाए थे। समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद चुनाव को लेकर अचानक दो प्रत्याशियों में बदलाव कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। पार्टी ने गोरखपुर-फैजाबाद शक्षिक सीट और आगरा शिक्षक सीट पर अपने पूर्व घोषित उम्मीदवारों को बदलते हुए नए प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर सपा ने पूर्व घोषित प्रत्याशी कमलेश यादव की जगह डॉ. संजयन त्रिपाठी को उम्मीदवार बनाया है। संजयन त्रिपाठी हाल तक भाजपा में टिकट के दावेदार थे। टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली थी। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और इसके अगले ही दिन सपा ने उन्हें शिक्षक सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसी तरह आगरा शिक्षक सीट पर भी सपा ने अपना उम्मीदवार बदल दिया है। पार्टी ने पूर्व घोषित प्रत्याशी राम प्रकाश गुप्ता का टिकट काटकर वर्तमान विधान परिषद सदस्य आकाश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। दोनों सीटों पर प्रत्याशी बदलने के फैसले को सपा की चुनावी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस ने आराधना मिश्रा मोना को क्यों सौंपी कमान, क्या 2027 में होगा ये कमाल

लखनऊ। कांग्रेस ने अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रदेश की रामपुर खास सीट से तीसरी बार विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही कांग्रेस अपने पारंपरिक वोटबैंक की तरफ लौटती दिख रही है। शुक्रवार देर शाम यूपी कांग्रेस संगठन में की गई तैनातियों में कांग्रेस अपने पुराने वोटबैंक की तरफ बढ़ती दिख रही है। प्रभारी दलित हैं, जबकि प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण और कार्यकारी अध्यक्ष मुस्लिम हैं। यही तीनों 80 के दशक तक कांग्रेस के बेस वोटर थे। बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 17 सीटों पर लड़कर छह सीटें जीतने में कामयाब रही थी। वहीं, सपा के साथ मिलकर इंडिया गठबंधन को यूपी में कुल 43 सीटें मिली थीं। माना गया कि 'संविधान बचाओ' के नाम पर दलित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस में आया और कांग्रेस के नाम पर ही उसने गठबंधन उम्मीदवार को वोट किया था। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित कांग्रेस अब अगले साल प्रस्तावित विधान सभा चुनाव के पहले अपना पुराना वोटबैंक सहेजती दिख रही है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव के वक्त यूपी कांग्रेस के प्रभारी रहे अविनाश पांडे को हटाकर पहले उसने दलित वर्ग से आने वाले राजेंद्र पाल गौतम को नया प्रभारी बनाया। अब शुक्रवार देर शाम जारी किए गए बदलाव के आदेशों में वह उससे और आगे बढ़कर ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम मतदाताओं में सकारात्मक संदेश देती दिखाई दे रही है। पार्टी ने ओबीसी समुदाय को भी लुभाने के लिए कांग्रेस विधानमंडल दल का नेता ओबीसी समुदाय से आने वाले वीरेंद्र चौधरी को सौंप दिया है। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर भी पार्टी ने देवेंद्र निषाद को शामिल करके निषाद समुदाय में भी एक बड़ा संदेश दिया है। कुल मिलाकर पार्टी ने चुनाव के पहले यूपी में सांगठनिक फेरबदल के माध्यम से जातियों का बड़ा गुलदस्ता सजाया है। कांग्रेस ने सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। इससे कांग्रेस पश्चिम यूपी में दलित-मुस्लिम गठजोड़ का संदेश देना चाहती है। पश्चिम में वोटरों के लिहाज से देखें तो हिंदू मतदाताओं में सबसे बड़ा हिस्सा दलितों का है। दलितों में जाटवों की हिस्सेदारी बड़ी है। राजेंद्र पाल गौतम जाटव बिरादरी से आते हैं। पार्टी ने इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर पश्चिम यूपी के मुस्लिम मतदाताओं में सकारात्मक संदेश दिया है। सपा-कांग्रेस गठबंधन के लिए पश्चिम अभी भी बड़ी चुनौती है, ऐसे में यह गठजोड़ नई राजनीतिक संभावनाएं खड़ी कर सकता है। आराधना मिश्रा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। वह उस राजनीतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

गोरखपुर में सपा की बैठक में बवाल, कुर्सी को लेकर पूर्व जिलाध्यक्ष को जड़ा थप्पड़, मची अफरा-तफरी

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी में अंदरूनी खींचतान शनिवार को गोरखपुर प्रेस क्लब में सार्वजनिक रूप से सामने आ गई। जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम की प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी नेताओं के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि वरिष्ठ नेता अंशुमान सिंह के समर्थकों ने पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी के साथ हाथापाई की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना के चलते प्रेस वार्ता बाधित हो गई और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम ने प्रेस वार्ता में पूर्व और वर्तमान प्रत्याशियों के साथ जिला एवं महानगर पदाधिकारियों को बुलाया था। इसी दौरान वरिष्ठ नेता अंशुमान सिंह अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। बताया गया कि समर्थक अंशुमान सिंह को प्रमुख नेताओं की अगली पंक्ति में बैठाना चाहते थे। इस पंक्ति में नगीना साहनी के एक ओर वरिष्ठ नेता संजय पहलवान और दूसरी ओर काजल निषाद बैठी थीं। कुर्सी खिसकाने को लेकर शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में तीखी नोकझोंक और कथित हाथापाई में बदल गया। नगीना साहनी का आरोप है कि अंशुमान सिंह के समर्थकों ने उन्हें थप्पड़ मारा और जान से मारने की धमकी दी। उनका कहना है कि वह पूरे प्रकरण की शिकायत पुलिस से करेंगे तथा पार्टी हाईकमान को भी अवगत कराएंगे। हाथापाई के दौरान पूर्व सचिव संजय पहलवान के भी चपेट में आने की बात कही गई है। विवाद बढ़ने पर अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी नगीना साहनी को बचाने के लिए आगे आए, जबकि अंशुमान सिंह समर्थकों के साथ वहां से चले गए। जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी पदाधिकारी के साथ हाथापाई नहीं होनी चाहिए थी और पूरे मामले की जानकारी पार्टी हाईकमान को दी जाएगी।

पहले फिल्म 11 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, फिर रिलीज डेट 9 अक्टूबर हो गई।

'उड़ता तीर' के मेकर्स ने दूसरी बार बदली रिलीज डेट

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' की रिलीज दूसरी बार टल गई है। पहले फिल्म 11 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में रिलीज डेट 9 अक्टूबर हो गई। लेकिन अब दृष्यम 3 की बेहतरीन कमाई होते देख मेकर्स ने फिर इसकी रिलीज टाल दी है। जानते हैं फिल्म बार-बार पोस्टपोन करने की 3 बड़ी वजह और ट्रेड एक्सपर्ट की राय-

उड़ता तीर पोस्टपोन होने की 3 बड़ी वजह-

1. दृष्यम 3 से क्लैश पर नुकसान का अनुमान: अजय देवगन, तबू और जयदीप अहलावत स्टारर फिल्म दृष्यम 3, 2 अक्टूबर को रिलीज हुई है। इस फिल्म ने पहले ही दिन 62 करोड़ की कमाई कर रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म का मौजूदा बज देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि फिल्म अगले हफ्ते तक सिनेमाघरों और बॉक्स ऑफिस में पकड़ बनाए रखेगी, ऐसे में अगर उड़ता तीर इसके साथ रिलीज हुई, तो फिल्म को नुकसान हो सकता है।

2. ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म का रिलीज होना: मराठी फिल्म गोंधल (2025) को ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री मिली है। 9 अक्टूबर को इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। गोंधल को सिनेमाघरों में स्क्रीन दी जाएंगी और दृष्यम 3, हनुमान अंश पहले ही सिनेमाघरों में होंगी। ऐसे में उड़ता तीर के लिए स्क्रीन काउंट कम मिलने का खतरा हो सकता था।

3. यामी गौतम की फिल्म का एक हफ्ते बाद ही रिलीज होना: अगर उड़ता तीर, 9 अक्टूबर को रिलीज होती, तो दृष्यम 3, गोंधल, हनुमान अंश से क्लैश तो होता, लेकिन साथ ही एक हफ्ते बाद ही फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज होने वाली यामी गौतम की नई नवेली का सामना भी करना पड़ता।

बॉलीवुड हलचल

'थॉर' की बेटी का अखाड़े में धमाल!

हॉलीवुड के सुपरस्टार और मार्वल फिल्मों में 'थॉर' का आइकोनिक किरदार निभाने वाले अभिनेता क्रिस हेम्सवर्थ इस समय एक बेहद गर्वित पिता के रूप में सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला वीडियो शेयर करते हुए हेम्सवर्थ ने अपनी 14 वर्षीय बेटी इंडिया रोज़ की शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया। इंडिया रोज़ ने एक बुल-राइडिंग (बैल की सवारी) प्रतियोगिता में लड़कों को इंस्टाग्राम पर इवेंट की झलकियाँ शेयर करते हुए, हेम्सवर्थ ने लड़कों का डटकर सामना करने और ट्रॉफी घर लाने के लिए अपनी बेटी की तारीफ़ की। एक्टर, जिन्होंने दिसंबर 2010 में स्पैनिश एक्टर-मॉडल एल्सा पटाकी से शादी की थी, 2012 में इंडिया रोज़ और 2014 में जुड़वां बेटों, साशा और ट्रिस्टन के पिता बने। हेम्सवर्थ अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फ़ैमिली लाइफ़ की झलकियाँ शेयर करते रहते हैं, और उनकी हालिया पोस्ट में उनकी बेटी की उपलब्धि की दिल को छू लेने वाली झलक देखने को मिली।

पोस्ट में दो वीडियो थे, एक में इंडिया रोज़ को धूल भरे अखाड़े में उछलते हुए बैल पर टिके रहने की कोशिश करते हुए दिखाया गया था, और दूसरे में पिता और बेटी के बीच एक इमोशनल पल को दिखाया गया था। दूसरे क्लिप में, हेम्सवर्थ ने इंडिया को गले लगाया, गर्व से मुस्कुराते हुए उसे जीत पर बधाई दी और उसे ₹चैंपियन बुल राइडर₹ कहा।

वीडियो में दोनों के बीच मज़ाक-मस्ती भी दिखी। राइड से पहले, हेम्सवर्थ ने अपनी बेटी से पूछा कि वह कैसा महसूस कर रही है और उसे क्या लगता है कि वह कितनी देर तक बैल पर टिक पाएगी। जब उन्होंने सात सेकंड का सुझाव दिया, तो इंडिया ने तुरंत उन्हें सही करते हुए आत्मविश्वास के साथ कहा कि वह आठ सेकंड तक टिक सकती है।

दृश्यम 3 ने ओपनिंग डे पर बनाए रिकॉर्ड

अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3ः द कन्क्लूजन' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 66.75 करोड़ रुपए कमाए। यह अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौटे हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 15,759 शोज से 66.75 करोड़ रुपए नेट कमाए। इसका ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। विदेशों में फिल्म ने 15 करोड़ रुपए कमाए। इससे इसकी कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई 95.10 करोड़ रुपए हो गई है।

इन फिल्मों को पीछे छोड़ाः 'दृश्यम 3' इस साल किसी हिंदी फिल्म की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। यह सिर्फ 'धुरंधर द रिवेंज' से पीछे है। यह बॉलीवुड इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म भी बन गई है। इससे आगे सिर्फ 'धुरंधर 2' और 'जवान' हैं। फिल्म ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की 30 करोड़ रुपए की ओपनिंग को पीछे छोड़ा। इसने शाहरुख खान की 'पठान' की 57 करोड़ रुपए और रणबीर कपूर की 'एनिमल' की 63 करोड़ रुपए की ओपनिंग भी पार कर ली। अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्मों में दृश्यम 3ः द कन्क्लूजन ने नया रिकॉर्ड बनाया है।

बिग बॉस 20: कैप्टेंसी टास्क के दौरान काज़ी तौकीर और आसिफ़ खान में तीखी बहस!

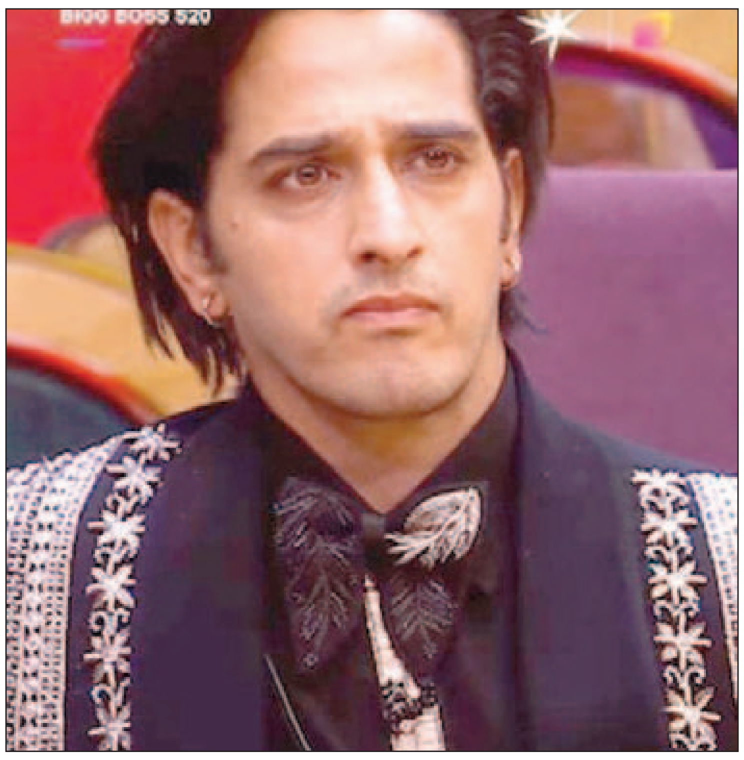

रियलिटी शो 'Bigg Boss 20' में इन दिनों हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे शो आगे बढ़ रहा है, घर के सदस्यों के बीच समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। 2 अक्टूबर, 2026 को कलर्स टीवी द्वारा जारी किए गए नए प्रोमो में कैप्टेंसी टास्क के दौरान गायक काज़ी तौकीर और आसिफ़ खान के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली।

काज़ी और आसिफ़ के बीच तीखी बहस ने खींचा सबका ध्यानः मेकर्स ने कैप्टेंसी टास्क को दिखाते हुए एक नया वीडियो शेयर किया है। इस टास्क के लिए, तीनों दावेदारों को पार्टनर के तौर पर एक दोस्त को चुनना था। माही ने काज़ी तौकीर को, उदिति ने अमन को और यंग ने स्काउट को चुना। टास्क में कंटेस्टेंट्स को दो स्टिक्स का इस्तेमाल करके एक बॉल को एक टारगेट से दूसरे टारगेट तक ले जाना था। हालाँकि, कई रुकावटों ने इस चैलेंज को और भी मुश्किल बना दिया।

जैसे-जैसे टास्क आगे बढ़ा, काज़ी और आसिफ़ के बीच ज़बरदस्त बहस हो गई। दोनों के बीच तीखी नोक-झोंक और बहसबाज़ी होती दिखी। आखिर कौन यह टास्क जीतेगा और अगला कैप्टन बनेगा, यह आने वाले एपिसोड में पता चलेगा।

यूज़र्स ने काज़ी तौकीर का समर्थन कियाः इस वीडियो पर दर्शकों की प्रतिक्रियाएँ भी आई हैं, और कई यूज़र्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी राय रखी है। ज़्यादातर यूज़र्स काज़ी का समर्थन करते दिखे, जबकि कुछ ने उदिति को कैप्टन के तौर पर अपनी पसंद बताया।

रीति तिवारी शो से बाहर होने वाली लेटेस्ट कंटेस्टेंट बनींः इस बीच, Bigg Boss 20 में एक और बड़ा एविक्शन हुआ है। 2 अक्टूबर को मिड-वीक एविक्शन में रीति तिवारी को शो से बाहर कर दिया गया। यह एविक्शन तब हुआ जब कैप्टेंसी के तीन दावेदारों - माही विज, यंग डीएसए और उदिति सिंह - से उस नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट की पहचान करने को कहा गया, जिसने उनके हिसाब से गेम में सबसे कम योगदान दिया था। इसके बाद रीति को शो से बाहर कर दिया गया। रिथी के घर से बाहर होने के बाद, उम्मीद है कि कैप्टेंसी टास्क और कंटेस्टेंट्स के बीच चल रही नोक-झोंक से इस रियलिटी शो के नए एपिसोड्स में और भी ड्रामा देखने को मिलेगा।

कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म से बड़े पर्दे पर लौटेंगी तनिशा मुखर्जी

फिल्म 'ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। यह फिल्म मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

अभिनेत्री तनिशा मुखर्जी करीब पाँच साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म 'ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। यह फिल्म मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो 1990 के दशक से लेकर 2025 तक कई दशकों का सफर तय करती है।

फिल्म में रोमांस, हास्य और भावनाओं के जरिए बदलते रिश्तों तथा जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों को दिखाया जाएगा। निर्देशक कपिल के मुताबिक, तनिशा में मौजूद भावनात्मक गहराई इस किरदार के लिए बेहद जरूरी थी। उनका मानना है कि अभिनेत्री ने अपने अभिनय से कहानी में खास संवेदनशीलता जोड़ी है।

फिल्म की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए दक्षिण मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के असली पारसी घरों में शूटिंग की गई है। कपिल ने पारसी समुदाय के लोगों के साथ मिलकर वहां की संस्कृति, बोलचाल और जीवनशैली को करीब से समझा। कपिल इस फिल्म के लेखक, निर्देशक और निर्माता होने के साथ इसमें अभिनय भी कर रहे हैं। फिल्म में सुष्मिता मुखर्जी, कितू गिडवानी, डेलनाज़ ईरानी, तनाज़ ईरानी और अन्य कलाकार भी शामिल हैं। 1978 की फिल्म 'खट्टा मीठा' के एक मशहूर गीत से प्रेरित इसका शीर्षक भी खास मायने रखता है। थिएट्रिकल रिलीज से पहले फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में ले जाने की तैयारी है।

'चुट्टामल्ले' के डीपफेक वीडियो पर भड़के जूनियर एनटीआर

साउथ एक्टर जूनियर NTR ने उनकी फिल्म 'देवराः पार्ट 1' के गाने 'चुट्टामल्ले' के AI से बनाए गए मॉर्फ्ड (डीपफेक) वीडियो को लेकर भड़क गए। यह गाना जान्हवी कपूर के साथ फिल्माया गया था।

एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, यह बेहद घिनौना, शर्मनाक और निंदनीय है। जिस देश में महिलाओं को मां और देवी के रूप में सम्मान दिया जाता है और 'मातृदेवो भव' हमारी संस्कृति का हिस्सा है, वहां कुछ लोग AI का इस्तेमाल कर एक महिला का इस तरह अपमान कर रहे हैं।

जूनियर NTR ने मॉर्फ्ड 'चुट्टामल्ले' वीडियो बनाने और उसे फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने लिखा कि 'चुट्टामल्ले' के इस मॉर्फ्ड वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। मैं उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। अभिनेता ने लोगों से ऐसे कंटेंट को बढ़ावा नहीं देने की अपील की। उन्होंने लिखा, "मैं लोगों से अपील करता हूं कि ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर प्रतिक्रिया दें। आज यह किसी और के साथ हुआ है, कल आपकी मां, बहन, पत्नी या बेटी भी इसका शिकार हो सकती है।"उन्होंने आगे लिखा, ₹यह बेहद गंभीर मामला है। मैं सभी राज्य सरकारों और भारत सरकार से अपील करता हूं कि AI के गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त नियम बनाए जाएं और कार्रवाई की जाए।" विजय देवरकोंडा ने 'चुट्टामल्ले' के डीपफेक वीडियो पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि वीडियो बनाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया कि लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो गए हैं। विजय ने कहा कि AI का इस्तेमाल लोगों की नौकरी जाने की चिंता के बीच इस तरह की बकवास के लिए किया जा रहा है। उन्होंने इस तरह के डीपफेक को डिजिटल रूप से यौन उत्पीड़न के बराबर बताया और कहा कि कानून को ऐसे मामलों को बेहद गंभीरता से लेना चाहिए।

सलमान खान की मातृभूमि को मिली एनओसी

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' को सरकार से NOC मिल गई है। अब फिल्म को CBFC की मंजूरी का इंतजार है। भारत-चीन के बीच 2020 में हुए टकराव पर बनी इस फिल्म में कई बदलाव किए गए हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी देश के सम्मान को ठेस न पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को मेकर्स के दिए 'मातृभूमि' के नए वर्जन से कोई आपत्ति नहीं है।इसके बाद इस वॉर-ड्रामा फिल्म को NOC दे दी गई है। NOC मिलने के बाद फिल्म इस साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, सलमान खान और उनकी टीम इसे 13 नवंबर को रिलीज करने पर विचार कर रही है। उनका मानना है कि दिवाली के बाद का फेस्टिव माहौल फिल्म की रिलीज के लिए सही रहेगा। फिल्म की सेंसर प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। मेकर्स जल्द ही फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) के पास जमा करेंगे। अगर CBFC से मंजूरी मिल जाती है और यह प्रक्रिया इसी महीने पूरी हो जाती है, तो सलमान और उनकी टीम फिल्म को 13 नवंबर को रिलीज कर सकती है।

जेलर 2' से महाटकराव टलाः धनुष और ममूटी की फिल्म 'OM' को मिली नई रिलीज़ डेट

"अब 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी"

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मक्का राजा ममूटी की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म 'OM - Chapter 1ः Udhiram - The Blood Wood' की नई रिलीज़ डेट का आधिकारिक ऐलान हो गया है। रजनीकांत की बहुचर्चित फिल्म 'जेलर 2' और दिवाली के अवसर पर सूर्या की आने वाली फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ को आगे बढ़ाने का बुद्धिमत्तापूर्ण फैसला लिया है। पहले यह फ़िल्म 16 अक्टूबर को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन इसे टाल दिया गया क्योंकि 'जेलर 2' एक दिन पहले, यानी 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली है। शुक्रवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर के साथ फ़िल्म की नई रिलीज़ की जानकारी शेयर की। इस घोषणा के साथ, OM अब बॉक्स ऑफ़िस पर 'जेलर 2' से सीधे मुक़ाबले के बजाय अलग समय पर रिलीज़ होगी।

धनुष और ममूटी की OM को नई रिलीज़ डेट मिलीः खास बात यह है कि तमिल एक्शन ड्रामा OM अब 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। पोस्टर शेयर करते हुए प्रोडक्शन बैनर, वंडरबार फ़िल्म्स ने लिखा, अल्टीमेट स्ट्राइक का दिन आ गया है #OM 20 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह @Rajkumar_KP की फ़िल्म है।

नए पोस्टर में धनुष और ममूटी बंदूकें थामे और किसी अनदेखे लक्ष्य पर निशाना साधते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे इस आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फ़िल्म की कहानी के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है।

OM Chapter 1 से ममूटी की तमिल सिनेमा में वापसी हो रही हैः गौरतलब है कि OM – Chapter 1 के ज़रिए ममूटी कई सालों बाद तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। उनकी पिछली तमिल फ़िल्म 'पेरन्बु' (Peranbu) थी, जिसका निर्देशन राम ने किया था और जो 2018 में रिलीज़ हुई थी।

OM की रिलीज़ टलने पर धनुष ने क्या कहा?

OM की रिलीज़ टलने की घोषणा करते हुए, धनुष ने अपने X हैंडल पर एक बयान शेयर किया। बयान में कहा गया, हमारे सुपरस्टार रजनीकांत सर - जिन्हें हम सभी सालों से पसंद करते और पूजते आए हैं - उनकी फ़िल्म 15 अक्टूबर को रिलीज़ हो रही है, यानी हमारी फ़िल्म से ठीक एक दिन पहले। उनके प्रति बहुत सम्मान रखते हुए, हमने अपनी फ़िल्म 'OM' की रिलीज़ को आगे बढ़ाने का फ़ैसला किया है।

अभिषेक शर्मा ने फाइनल में तूफानी फिफ्टी जड़कर बनाए 6 रिकॉर्ड, युवराज से लेकर कोहली की बराबरी की

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शनिवार को एशियन गेम्स 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने निशिन के मैदान पर 28 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के हैं। उन्होंने 20 गेंदों में अर्धशतक कंप्लीट कर लिया है। यह अभिषेक के टी20 इंटरनेशनल करियरका 13वां अर्धशतक है। उन्होंने फाइनल में फिफ्टी जड़कर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। चलिए, आपको अभिषेक के छह रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं। भारत ने 211/6 का स्कोर खड़ा करने के बाद पाकिस्तान को 19 रन से हराया और गोल्ड मेडल जीता। अभिषेक शर्मा भारत-पाकिस्तान टी20 में एक पारी में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने युवराज सिंह की बराबरी की। भारत के पूर्व धाकड़ ऑलराउंडर युवराज ने 2012 में अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच में सात छक्के मारे थे। अभिषेक टी20 फाइनल में भारत के लिए दो बार 50 प्लस की पारी खेलने वाले खिलाड़ी के खास क्लब में शामिल हो गए हैं। उन्होंने एशियन गेम्स से पहले टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 गेंदों में 51 रन जुटाए थे। अभिषेक ने इस मामले में सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली की बराबरी की। कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2014 के अलावा टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में पचास प्लस रन बनाए थे। तिलक वर्मा भी दो बार यह कारनामा कर चुके हैं।

अभिषेक टी20 नॉकआउट में भारत के लिए सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वालों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (10 पारियों में), संजू सैमसन (5 पारियों में) और ईशान किशन (3 पारियों में) ने ऐसा किया। तिलक वर्मा (सात पारियों में तीन बार) दूसरे नंबर पर है। कोहली 7 पारियों में पांच बार पचास प्लस रन बनाकर शीर्ष पर काबिज हैं। 26 वर्षीय अभिषेक पाकिस्तान के खिलाफ टी20 में दो बार पचास प्लस रन बनाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे प्लेयर हैं। तिलक वर्मा ने भी दो बार यह कारनामा किया। तिलत ने एशियन गेम्स फाइनल में 22 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली। अभिषेक और तिलक ने गौतम गंभीर, ईशान किशन, रॉबिन उथप्पा और युवराज सिंह को पीछा छोड़ा, जिन्होंने एक-एक बार यह कमाल किया। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मर्तबा पचास प्लस पारियां खेली हैं। अभिषेक टी20 क्रिकेट में 400 या उससे अधिक छक्के जड़ने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। उनके खाते में फिलहाल 405 सिक्स हैं। उनसे आगे सूर्यकुमार यादव (429), संजू सैमसन (430), विराट कोहली (460) और रोहित शर्मा (568) हैं। अभिषेक सबसे कम गेंदों में 400 सिक्स कंप्लीट करने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 3513 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल ने 3557 गेंदों में 400 सिक्स पूरे किए थे। इस लिस्ट में टॉर पर वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने 3027 गेंदों में 400 सिक्स उड़ाए। वहीं, अभिषेक टी20 में दो बार एक कैलेंडर ईयर में 100 प्लस छक्के लगाने वाले इकलौते भारतीय बन गए हैं। वह 2026 में 104 सिक्स उड़ा चुके हैं।

एक नज़र

विराट कोहली को 7 साल बाद मिला ये दुख, वेस्टइंडीज और अक्टूबर ने चौंकाया; ईशांत और कुंबले छूटे पीछे

नई दिल्ली। भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली शनिवार (3 अक्टूबर) को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शून्य पर लौटे। वह न्यू चंडीगढ़ के मैदान पर गोल्डन डक का शिकार बने। तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोहली को आउट किया। उन्होंने अंदर आती फुलर गेंद को लेग साइड में खेलने का प्रयास किया और बोल्ड हो गए। सील्स ने पिछली गेंद पर कप्तान शुभमन गिल (6 गेंदों में 1) को विकेट के पीछे शाई होप के हाथों लपकवाया था। जब कोई बल्लेबाज अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बिना रन बनाए आउट हो जाता है तो उसे गोल्डन डक कहा जाता है। कोहली वनडे में 7 साल बाद गोल्ड डक का शिकार हुए हैं। वह टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में पिछले चार बार जब भी शून्य पर आउट हुए हैं तो अक्टूबर का महीना था। वह न्यू चंडीगढ़ से पहले अक्टूबर 2025 में दो बार शून्य पर आउट हुए और अक्टूबर 2024 में एक बार बिना खाता खोले लौटे। 39 वर्षीय कोहली अपने वनडे करियर में अब तक चार बार गोल्डन डक का शिकार हुए हैं। उन्होंने चार में से तीन बार वेस्टइंडीज के विरुद्ध गोल्ड डक झेला। कोहली के साथ पिछली बार ऐसा 2019 में विशाखापट्टनम में आयोजित वनडे में हुआ था। तब वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोर्लार्ड ने कोहली को पारी की पहली गेंद पर आउट किया था। इससे पहले कोहली 2013 में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ और 2011 में नॉर्थसाउंड में वेस्टइंडीज के विरुद्ध गोल्ड डक का शिकार हुए। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वह 565 इंटरनेशनल मैचों में अब तक 41 बार डक झेल चुके हैं। उन्होंने तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को पीछे छोड़ा है। ईशांत 199 इंटरनेशनल मुकाबलों में 40 मर्तबा शून्य पर पवेलियन लौटे। कोहली से आगे पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान (303 मैचों में 43 शून्य) हैं। वहीं, वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार डक का शिकार होने वाले भारतीयों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वह 50 ओवर फॉर्मेट में 317 मैचों में 19वीं बार शून्य पर आउट हुए। पूर्व पेसर जवागल श्रीनाथ ने 229 मैचों में 19 बार डक का मुंह देखा। कोहली ने पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को पछाड़ा है। कुंबले 269 वनडे और युवराज 301 वनडे में 18-18 बार डक का शिकार हुए। कोहली से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 वनडे में 20 डक) हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा डक झेलने वाले भारतीय,43 - जहीर खान,41 - विराट कोहली,40 - ईशांत शर्मा,37 - हरभजन सिंह, 37 - जसप्रीत बुमराह, 35 - अनिल कुंबले, 34 - रोहित शर्मा, 34 - सचिन तेंदुलकर

अभिषेक शर्मा ने खोले पाकिस्तान के धागे; 400 छक्के जड़ क्रिस गेल को पछाड़ा, रसेल नंबर-1

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस पाकिस्तान एशियन गेम्स गोल्ड मेडल मैच निशिन में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा ने इस मैच में पाकिस्तान के धागे खोल दिए। 20 गेंदों पर उन्होंने फिफ्टी पूरी की, जिसमें 3 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 7 छक्कों के साथ अभिषेक ने अपने टी20 क्रिकेट में 400 छक्कों का आंकड़ा पार करते हुए क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड है टी20 क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 400 छक्के पूरे करने का। अभिषेक शर्मा ने इस लिस्ट में यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल को तो पछाड़ दिया है, मगर वह नंबर-1 नहीं बन पाए। बता दें, पाकिस्तान के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच में अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों पर 61 रनों की धुआंधार पारी खेली, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट लगभग 218 का रहा। अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में 400 छक्के लगाने के लिए 3513 गेंदें ली, जबकि क्रिस गेल ने अपने करियर में ऐसा करने के लिए 3557 गेंदें ली थी। गेल अब तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं, जबकि अभिषेक दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रेसल ने यह कारनामा 3027 गेंदों में पूरा किया। अभिषेक और रसेल के बीच लगभग 500 गेंदों का बड़ा अंतर है। इस लिस्ट में अधिकतर बल्लेबाज वेस्टइंडीज के ही हैं, ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड भी यहां मौजूद हैं। 3027 आंद्रे रसेल 3513 अभिषेक शर्मा, 3557 क्रिस गेल, 3803 टिम डेविड, 3944 कीरोन पोलार्ड, 4045 निकोलस पूरन, 4072 एविन लुईस अभिषेक शर्मा ने साल 2026 में भी 100 छक्के पूरे कर लिए हैं। उन्होंने ऐसा करने के लिए 651 गेंदें ली। एक कैलेंडर ईयर में वह सबसे कम गेंदों में 100 छक्के जड़ने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं।

रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर 10 हजारी बनकर रचा इतिहास, सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड हुआ ध्वस्त

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शनिवार को न्यू चंडीगढ़ में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में गदर काटा। वह महज 8 रन से लगातार दूसरा शतक लगाने से चूके गए। रोहित ने 85 गेंदों में 10 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 92 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में दूसरा रन बनाते ही इतिहास रचा। वह वनडे क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन कंप्लीट करने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने 202 पारियों में यह कीर्तिमान हासिल किया। हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। सचिन ओपनर के रूप में 214 पारियों में 10 हजारी बने थे। उनके बाद वेस्टइंडीज के पूर्व धाकड़ ओपनर क्रिस गेल (268 पारी) और श्रीलंका के पूर्व खतरनाक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या (303 पारी) हैं। वनडे इतिहास में सिर्फ चार क्रिकेटर ही बतौर ओपनर 10 हजार या उससे अधिक रनों का आंकड़ा पार कर पाए हैं। 39 वर्षीय वनडे क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में फिलहाल चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे गेल हैं, जिन्होंने 10179 रन बटोरे। जयसूर्या 12740 रनों के साथ दूसरे नंबर हैं। सचिन ने 15310 रन बनाए। टॉप 10 लिस्ट में तीन भारतीय शामिल हैं। भारत के पूर्व कप्तान सौर गांगुवी ने सलामी बल्लेबाज के रूप में 9146 रन जुटाए। बता दें कि रोहित ने वेस्टइंडीज

के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जमाया था। उन्होंने गुवाहाटी में 75 गेंदों में 101 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 6 सिक्स थे। यह उनके वनडे करियर का 35वां शतक था। वनडे क्रिकेट इतिहास में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा रन,15310 - सचिन तेंदुलकर (भारत) 12740 - सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) 10179 - क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) 10000 - रोहित शर्मा (भारत) 9200 - एडम गिलक्रिस्ट (ऑस्ट्रेलिया) 9146 - सौरव गांगुली (भारत) 8648 - डेसमंड हेन्स क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) 8357 - तमीम इकबाल (बांग्लादेश) 8156 - सईद अनवर (पाकिस्तान) 8083 - हाशिम अमला (साउथ अफ्रीका) रोहित ने सितंबर 2007 में वनडे डेब्यू किया था। हालांकि, रोहित को लंबे समय बाद ओपनिंग करना का चांस मिला। उन्होंने वनडे में पहली बार पारी की शुरुआथ जनवरी 2011 में साउथ अफ्रीका दौरे पर की। रोहित ने तीन मैचों में ओपनिंग की लेकिन कुछ कास प्रभाव नहीं छोड़ पाए। वह उसके बाद टीम से अंदर-बाहर होते रहे। रोहित को फिर जनवरी 2013 में ओपनर के तौर पर आजमाने का फैसला किया गया, जिसके बाद हिटमैन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह टेस्ट और टी20 इंटरनेलनल से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं।

रोहित शर्मा 7 साल बाद हुए नर्वस नाइंटीज का शिकार, 75वीं बार की 100 की साझेदारी; सचिन के क्लब में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगाने से चूक गए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पिछले मैच में दोहरा शतक लगाने वाले शुभमन गिल सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद विराट कोहली पहली गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। जिसके बाद रोहित और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। रोहित शर्मा लगातार दूसरा शतक लगाने की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 92 के स्कोर पर उन्हें कीमो पॉल ने अपना शिकार बनाया। रोहित शर्मा वनडे में पांचवीं बार नर्वस नाइंटीज का शिकार बने हैं। हालांकि पिछली बार वह 2019 में मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2019 में 95 रन बनाकर आउट हुए थे। इसके बाद शनिवार को करीब सात साल बाद रोहित वनडे में नर्वस नाइंटीज का शिकार बने। रोहित ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-2 बार शतक के करीब पहुंचकर पूरा नहीं कर सके, जबकि एक बार पाकिस्तान के साथ ऐसा हुआ है। रोहित नाइंटीज में आउट होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित 92 रन बनाकर आउट हुए, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में उनकी उम्र 39 साल 156 दिन है। इससे पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। उन्होंने 2011 में 38 साल 212 दिन की उम्र में नाइंटीज का शिकार हुए थे। भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने 37 साल 246 दिन की उम्र में शतक नाइंटीज में आउट हुए थे। रोहित शर्मा ने शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ 132 गेंद में 137 रन की साझेदारी की। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में 75वीं बार 100 या उससे अधिक रनों की साझेदारी करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस फॉर्मेट (वनडे) में सचिन तेंदुलकर (99) और विराट कोहली (88) के नाम उनसे ज्यादा सर्वाधिक शतकीय साझेदारी है।

तिलक वर्मा ने पाकिस्तान फाइनल में रचा इतिहास, विराट कोहली के धांसू क्लब में मारी एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शनिवार को एशियन गेम्स 2026 में गदर काटा। उन्होंने निशिन में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में आतिशी अर्धशतक जमाया। उन्होंने छठे नंबर पर उतरने के बाद 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और चार छक्के हैं। यह उनके टी20 इंटरनेशनल करियर का 10वां अर्धशतक है। 23 वर्षीय तिलक की पारी की बदौलत भारत ने 211/6 का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। जवाब में पाकिस्तान ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 192 बनाए और भारत 19 रनों से मैच जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 23 वर्षीय तिलक वर्मा ने इतिहास रच डाला है। वह टी20 फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दो बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं। तिलक ने पिछले साल एशिय कप में पाकिस्तान के विरुद्ध फाइनल में 53 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए थे। वह पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती 5 टी20 मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अब तक 206 रन जुटाए हैं। उनसे आगे श्रीलंका के भानुका राजपक्षे (207) और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटसरन (236) हैं। तिलक ने विराट कोहली के एक धांसू क्लब में एंट्री कर ली है। वह टी 20 फाइनल में दो बार पचास प्लस स्कोर बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। सुपरस्टार क्रिकेटर कोहली ने 2014 टी20 वर्ल्ड कप के अलावा 2024 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पचास प्लस रनों की पारी खेली थी। वहीं, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशियन गेम्स 2026 और टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में ऐसा किया। उन्होंने एशियन गेम्स फाइनल में पाकिस्तान के सामने 28 गेंदों में 61 रन बटोरे, जिसमें तीन चौके और 7 सिक्स हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 21 गेंदों में 51 रन जुटाए थे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल की बात करें तो तिलक वर्मा ने एक अहम साझेदारी की। उन्होंने शिवम दुबे के साथ छठे विकेट के लिए 30 गेंदों में 32 रन जुटाए, जिससे भारत 200 के पार पहुंचने में सफल रहा। दुबे ने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। उन्होंने दो छक्के और दो छक्के जमाए। वहीं, पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले अभिषेक ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार बल्लेबाजी की और 20 गेंद में अर्धशतक बनाकर विपक्षी टीम के स्पिन आक्रमण को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

शुभमन गिल नंबर 1, रोहित रहे कोहली से आगे; वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 भारतीय

वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों जैसे रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, केएल राहुल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा, लेकिन इन बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बाजी मारी और सबसे ऊपर रहे जबकि रोहित शर्मा इस वनडे सीरीज में विराट कोहली से रन बनाने के मामले में बाजी मारते हुए दूसरे स्थान पर रहे। शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में 167.00 की औसत और 2 शतक की मदद से कुल 334 रन बनाए और इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 223 रन रहा। वहीं इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रहे जिन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से इस सीरीज में खेले 3 मैचों में 75.00 की औसत से 225 रन बनाए। इस वनडे सीरीज मे रोहित शर्मा का बेस्ट स्कोर 101 रन रहा। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर विराट कोहली रहे जिन्होंने 3 मैचों में एक शतक की मदद से 168 रन बनाए और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 139 रन रहा जबकि उनका औसत 84.00 रहा। इस सूची में चौथे नंबर पर केएल राहुल रहे जिन्होंने 3 मैचों में नाबाद 129 रन बनाए और उनका बेस्ट स्कोर भी नाबाद 129 रन ही रहा। राहुल को वैसे इस सीरीज के आखिरी मैच में ही खेलने का मौका मिला था। पांचवें स्थान पर ऋतुराज गायकवाड़ रहे जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 101 रन बनाए। शुभमन गिल- 334 रन रोहित शर्मा- 225 रन विराट कोहली- 168 रन केएल राहुल- 129 रन ऋ तुराज गायकवाड़- 101 रन एक वनडे मैच में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा पहले नंबर पर हैं जबकि इस लिस्ट में अब गिल ने सहवाग को पीछे छोड़ दिया और इशान किशन के साथ इस नंबर पर आ गए।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच में बनाए 10 रिकॉर्ड्स, अभिषेक-तिलक ने मचाई तबाही

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 गोल्ड मेडल मैच में पहले बैटिंग करते हुए 211 रन बोर्ड पर लगाए। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने तूफानी शतक जड़ा। भारत का यह टी20 क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। टीम इंडिया पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ इस फॉर्मेट में 200 रन का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही। अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों पर 3 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 61 रनों की पारी खेली, जबकि तिक वर्मा ने अंत में आकर 22 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में युवराज सिंह की बराबरी कर ली है। युवी ने भी 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 7 सिक्स लगाए थे। अभिषेक के अब टी20ई में पाकिस्तान के खिलाफ कुल मिलाकर 14 छक्के हैं अभिषेक शर्मा ने साल 2026 में 100 छक्कों का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने ऐसा दूसरी बार किया है। पिछले साल भी उन्होंने 108 सिक्स लगाए थे। अभिषेक के अलावा कोई भारतीय ऐसा नहीं कर पाया है। 108 - 2025 में अभिषेक शर्मा (7.3519)104 - 2026 में अभिषेक शर्मा (6.4327) 90 - वैभव सूर्यवंशी 2026 में (5.1) 87 - 2024 में अभिषेक शर्मा (6.5402) 85 - सूर्यकुमार यादव 2022 में (10.0471) एक कैलेंडर वर्ष में 100 टी20 छक्कों के लिए सबसे कम गेंदें 589 ए रसेल (2019) 651 अभिषेक शर्मा (2026) 653 डी ब्रेविस (2025) 724 सी गेल (2016) 728 करणबीर सिंह (2025) 81/2 - टी20आई में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का सर्वोच्च पावरप्ले स्कोर, दुबई में एशिया कप 2025 सुपर फ़ोर्स मैच में 69/0 से बेहतर। अभिषेक ने उस खेल में 24 गेंदों पर 50 रन बनाए थे, जो इस प्रारूप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पिछला सबसे तेज अर्धशतक था। 24 - साद मसूद द्वारा आज फेंका गया दूसरा ओवर भारत बनाम पाकिस्तान टी20 में सबसे महंगा ओवर है। पिछला 2012 में अहमदाबाद में सईद अजमल द्वारा फेंका गया 22 रन का ओवर (पारी का 19वां) था, जिसमें युवराज सिंह द्वारा लगातार तीन छक्के लगाए गए थे। तिलक वर्मा ने अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 21 गेंदें खेलीं, जो इस प्रारूप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है, जो पहले दिन में अभिषेक के 20 गेंदों के प्रयास के बाद है।

पाकिस्तान को हराकर श्रेयस अय्यर हद से ज्यादा खुश, होने वाला है जश्न; कप्तान ने दिया हिंट

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने एशियन गेम्स के पुरुष क्रिकट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। भारत ने शनिवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के दमदार अर्धशतक की मदद से छह विकेट पर 211 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान हसन नवाज के 96 रनों के बावजूद छह विकेट पर 192 रन ही बना सके। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने शनिवार को कहा कि एशियाई खेलों के लिए तैयारियों में हुई बाधाओं के बावजूद उनकी टीम ने शिकायत नहीं की और यही एक चैंपियन टीम की निशानी थी जिसने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की नींव रखी। भारत की तैयारियां बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुईं और टीम को एक अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले ही अपना पहला उचित ट्रेनिंग सत्र मिला।

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में पाकिस्तान पर मिली जीत को सामूहिक प्रयास का नतीजा करार देते हुए कहा कि अगर मुझे किसी शब्द का उपयोग करना है, तो मैं परमानंद ही कहूंगा क्योंकि जिस दिन से हम जापान पहुंचे, बारिश हो रही थी और हम लगभग एक सप्ताह तक अभ्यास नहीं कर सके। लेकिन लड़कों ने, जिस तरह से उन्होंने खुद को तैयार किया और साथ ही साथ अपनी ट्रेनिंग भी कर रहे थे, हमने कोई शिकायत नहीं की, हमने कोई कारण नहीं बताया। तो यह एक चैंपियन की ही निशानी थी, चैंपियन टीम। और आज तो बस उसी का प्रतिबिम्ब था। जब पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा कर रहा था, उस समय के बारे में पूछने पर अय्यर ने कहा, खैर, वे बहुत अच्छी तरह से मंडरा रहे थे और बीच में उन्हें वह गति मिल गई। मैं बस यह देखना चाहता था कि मैं उस पांचवें (गेंदबाज) को जल्द से जल्द ओवर कर लूं, उसे खत्म कर दूं, और फिर बुमराह-वाशी वहां थे, जोकि मुख्य गेंदबाज थे, वे भी अंदर आना चाहते थे। इसलिए मैंने मूल रूप से उनके ओवरों की गति काफी अच्छी रखी। मुझे ऐसा ही लगा और विशेष रूप से जब रन रेट लगभग 13 से 14 है, तो हम जानते हैं कि बल्लेबाज, वे कार्यभार संभालने जा रहे हैं, और एक विकेट गति को बदलने वाला है, गति को हमारी ओर स्थानांतरित करने वाला है। तो वही हुआ, और वह महत्वपूर्ण विकेट.. मुझे बल्लेबाज (अयूब) का नाम याद नहीं है, लेकिन इसने गति बदल दी। आज की जीत में योगदान देने वाले विभिन्न खिलाड़ियों पर उन्होंने कहा, बिल्कुल। जब आप फाइनल खेल रहे होते हैं, तो आप चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति आगे बढ़े और अच्छा प्रदर्शन करे और आज हमने यही देखा। अभिषेक हमें वह शुरुआत दे रहे हैं, और फिर तिलक मूल रूप से पारी को समाप्त कर रहे हैं, और फिर गेंदबाजी में वाशी ने जिम्मेदारी संभाली, अक्षर हर समय खुद ही रहता है, और बुमराह, हम जानते हैं कि उसके पास क्या है। तो हां, सामूहिक प्रयास, और कुल मिलाकर मैं व्यापक जीत कहूंगा। आज रात के जश्न समारोह पर अय्यर ने कहा, निश्चित रूप से, मेरा मतलब है कि मैं बेहद खुश हूं, और हम सभी होटल वापस जाने का इंतजार कर रहे हैं। हम कुछ समय से मैदान पर हैं, इसलिए हां, हमने तय नहीं किया है कि हम क्या करने जा रहे हैं, लेकिन देखते हैं।

हसन नवाज ने भारतीय फैंस की अटका दी थी सांसें, शतक से चूके लेकिन कर गए कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने शनिवार को एशियन गेम्स के पुरुष क्रिकेट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीता। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम एक समय 39 के स्कोर पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन फिर हसन नवाज ने आखिरी ओवर तक एक छोर संभाले हुए रखा लेकिन पाकिस्तान की टीम को जीत नहीं दिला सके। वह शतक से भी चार रन से चूक गए लेकिन एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हसन नवाज ने शनिवार को एशियन गेम्स के फाइनल में 51 गेंद में 96 रन बनाए। वह शतक लगाने से चूक गए और अंतिम गेंद पर आउट हुए। हालांकि अपनी इस दमदार पारी से उन्होंने भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले ये रिकॉर्ड मोहम्मद रिजवान के नाम था, जो उन्होंने दुबई 2021 में बनाया था। उन्होंने भारत के खिलाफ नाबाद 79 रन बनाए थे। 2022 में दुबई में ही उन्होंने 71 रन की पारी खेली थी। 2021 में दुबई में बाबर आजम ने नाबाद 68 रन बनाए थे। मोहम्मद हफीज ने 2012 में भारत के खिलाफ बेंगलुरु में 61 रन बनाए थे। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज हसन नवाज 5वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने 15 ओवर बैटिंग की और अंत तक टिके रहे। हसन ने नौवें ओवर में अपनी पारी का पहला छक्का लगाया, उसके बाद उन्होंने लगातार कई ओवरों में बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। हसन ने सैम आयूब के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंद में 87 रन जोड़े। शिवम दूबे ने आयुब को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक उमेश कुमार तिवारी द्वारा सैटे लाईट बाबा पब्लिशिंग हाउस लि. प्लाट नं. 20/22 बादशाही रोड़ बुढ़पुर दिल्ली-110036 से मुद्रित व बी-91 स्ट्रीट नं0 6, बापरौला विहार, दास गार्डन, नई दिल्ली110043 से प्रकाशित। सभी विवादों का निपटारा दिल्ली की सीमा में आने वाले समस्त न्यायालयों और फोरमों से किया जायेगा। D.C.P. LICENSING NO. (F2) (G11) PRESS 15 SEPT, 2009